हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 216 | देहरादून, सोमवार, 19 फरवरी 2024 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 16

केदारनाथ यात्रा की तैयारियों में जुटा प्रशासन, डीएम ने हाईवे से अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश 3

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में ऊर्जा प्रदेश का स्वप्न हो रहा साकार

प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में दिखा रहे बेहद दिलचस्पी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 फरवरी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड को ऊर्जा प्रदेश बनने का संकल्प सिद्ध होता हुआ नजर आ रहा है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना बेहद सफल साबित हो रही है। बड़ी बात यह है कि प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर मैदानी क्षेत्रों तक 20 से लेकर 200 किलोवाट क्षमता के सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए प्रदेश के युवा खूब दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर 13 मार्च 2023 को मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना (MSSY) को संशोधित का किया गया। इसके बाद प्रदेश में 20 / 25/ 50 /100 और 200 किलोवाट के ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना पोर्टल msy.uk.gov.in पर 839 आवेदन प्राप्त किए जा चुके हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि इनमें 297 आवेदनों के LOI भी जारी की जा चुकी है।

पूर्ववर्ती MSSY योजना में 3.43 मेगावाट स्थापित क्षमता ₹13.6 करोड़ के अनुमानित निवेश की तुलना में मॉडिफाइड MSSY योजना में 839 आवेदनों में से 297 संख्या ,संचयी क्षमता 44.94 MWp के एलओए, अब तक जारी किए जा चुके हैं, जिससे राज्य में रोजगार के अवसर के साथ-साथ लगभग ₹224 करोड़ के निवेश के अवसर पैदा होंगे।

नई मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में 44.94 मेगावाट की स्थापना के बाद प्रदेशवासियों के लिए रोजगार के अधिक अवसर पैदा होंगे। इसके साथ ही ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर Net Zero लक्ष्य प्राप्त करने के अधिक अवसर पैदा होंगे। मॉडिफाइड MSSY योजना में उत्तराखंड के निवासी उत्सुकता से आवेदन कर रहे हैं और आवंटन प्रक्रिया 246 MWp संचयी लक्ष्य उपलब्धि तक जारी है I

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश ग्रीन एनर्जी प्रोडक्शन के साथ ही ग्रीन इकोनॉमी की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रतिभाग।

श्रमिकों को 3 लाख कंबल वितरण के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही धामी सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 'अंत्योदय' की भावना के साथ आगे बढ़ रही उत्तराखंड की धामी सरकार ने राज्य में पंजीकृत श्रमिकों के लिए 3 लाख कंबल वितरण का जो लक्ष्य तय किया है, उस दिशा में कदम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

■ उत्तराखंड भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रामिकों को प्रदान किए जाने हैं कंबल व अन्य सामान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विगत 31 जनवरी 2024 को सहस्त्रधारा रोड स्थित आईटी पार्क के समीप उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कल्याण बोर्ड श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों को कम्बल वितरण कर पंजीकृत श्रमिकों को कम्बल वितरण व अन्य सामान वितरण के अभियान की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी 03 लाख से अधिक पंजीकृत श्रमिकों को कंबल वितरण किया जाए। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए उत्तराखंड भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड तथा श्रम विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से 16 फरवरी 2024 को सभी प्रदेश के समस्त जिलों में कैंपों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों के नियंत्रण में पंजीकरण निर्माण श्रमिकों को लगभग 25,000 कंबल, छाता तथा 15,000 सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया गया। इसी के साथ लगभग 25,000 श्रमिकों का फ्री हेल्थ चेकअप भी किया गया। अवगत कराया गया है कि यह कार्यक्रम आगे भी लगातार जारी रहेगा और उक्त लाभ सभी पंजीकृत श्रमिकों को प्रदान किए जाएंगे।

उत्तराखंड में फिर बदलेगा मौसम इन जिलों में होगी बारिश-बर्फबारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 फरवरी : उत्तराखंड में पिछले कुछ दिनों से मौसम साफ है। पहाड़ से लेकर मैदान तक अच्छी धूप खिल रही है, जिससे तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मैदानी इलाकों में कोहरे का असर कम होने लगा है, हालांकि प्रदेश में एक बार फिर मौसम बदलने के संकेत मिल रहे हैं। 19 फरवरी को पहाड़ से लेकर मैदान तक मौसम बदलेगा और पर्वतीय इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी होने के आसार हैं। पर्वतीय इलाकों में बारिश-बर्फबारी से ठंड बढ़ सकती है।

हालांकि अभी दिन के साथ अब रात का तापमान भी सामान्य है। दून का अधिकतम तापमान तीन डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 25.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि रात का न्यूनतम तापमान भी 9 डिग्री के साथ सामान्य रहा। ऐसे ही पंतनगर का अधिकतम तापमान भी एक डिग्री के इजाफे के साथ 25.7, मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान चार डिग्री बढ़ोतरी के साथ 17.2 और नई टिहरी का अधिकतम तापमान दो डिग्री इजाफे के साथ 17.4 डिग्री रहा।

मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 18 -19 फरवरी को प्रदेश भर का मौसम शुष्क रहेगा। जबकि 19 -20 फरवरी को भारी बारिश-बर्फबारी की संभावना है। 19 फरवरी को उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। कुछ जिलों में सुबह के वक्त हल्के बादल रह सकते हैं, लेकिन आमतौर पर राज्य भर में मौसम के पूरी तरह से शुष्क रहने की संभावना है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया नई दिल्ली में स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के 11वें वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग

देहरादून राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने रविवार को नई दिल्ली में स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी के 11वें वार्षिकोत्सव एवं सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने निस्वार्थ सेवाभाव से कार्य करने वाले डॉक्टर्स को सम्मानित किया साथ ही उन्होंने सोसायटी के ''चार धाम साथी 2.0' मोबाइल एप को भी लांच किया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि मिशन का नेक उद्देश्य वंचित, ग्रामीण, पहाड़ी, और आदिवासी क्षेत्रों में निवास करने वाले उपेक्षित समुदायों और तीर्थ यात्रियों की सेवा करना है। इन क्षेत्रों के लोगों को चिकित्सा, शिक्षा, और अन्य सामाजिक सहायता मुहैया करना है। वास्तव में यह कार्य नर सेवा नारायण सेवा के मूल मंत्र पर आधारित है।

राज्यपाल ने कहा कि सच्ची और निस्वार्थ सेवाएं प्रदान करने वाले डॉक्टरों और चिकित्सकों के सम्मान समारोह में भाग लेना, मेरे लिए बहुत ही गर्व की बात है। ऐसे डॉक्टर और चिकित्सक, वास्तव में समाज के असली नायक हैं। इनकी सेवा और समर्पण को सम्मानित करना न केवल इनके प्रयासों की प्रशंसा है बल्कि अन्य सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। उन्होंने कहा कि सोसायटी ने जन-कल्याण के लिए, पूरी तरह निशुल्क और आधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पतालों की स्थापना की है। सोसायटी ने उत्तराखंड में बद्रीनाथ धाम और गंगोत्री धाम में अपने अस्पताल स्थापित किए हैं। इनमें अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि समिति के प्रयासों ने निस्वार्थ सेवा और चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की एक नई परिभाषा गढ़ी है।

पार्टनर धोखेबाज है या नहीं, सिर्फ फोन से चल जाएगा पता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : आज के वक्त में रिलेशनशिप इतने उलझे हुए हो गए हैं कि लोगों को अपने पार्टनरों पर छोटी-छोटी बातों पर शक हो जाता है. पर ये बात भी गलत नहीं है कि लोग वाकई में अपने साथियों को धोखा देने में कोई कमी नहीं छोड़ते. भरोसे और विश्वास जैसे पहलु ही खत्म होते जा रहे हैं. इस वजह से एक महिला आजकल की लड़कियों को बता रही है कि वो कैसे ये पता लगा सकती हैं कि उनका पार्टनर उन्हें धोखा दे रहा है या नहीं. उसने कुछ ट्रिक्स का खुलासा किया है, जो इतनी आम हैं, पर बेहद कारगर हैं और उसके लिए सिर्फ फोन की जरूरत पड़ती है.

रिपोर्ट के अनुसार कॉलम लेखिका जैना होकिंग ने हाल ही में बताया कि वो अपने दोस्तों से पूछती रहती हैं कि क्या उन्होंने कभी अपने पार्टनर्स का फोन हैक किया है या नहीं. कुछ महिलाओं ने जैना को काफी रोचक ट्रिक्स बताईं, जिसका इस्तेमाल कर उन्होंने फोन हैक किए थे. पर इसके साथ जैना ने अपनी भी एक बेहद खास ट्रिक का खुलासा किया है. सबसे पहले जान लीजिए कि उन औरतों ने जैना को कौन सी ट्रिक बताई है.

जैना ने कहा कि उनकी एक सहेली ने बताया कि था जब फोन्स में फेस आईडी नहीं होती थी, तब एक बार उसने अपने पार्टनर को फोन का लॉक खोलते हुए रिकॉर्ड कर लिया था. उस वीडियो को वो बार-बार देखती थी, जिससे उसे समझ आ गया कि वो कोड का कौन सा पैटर्न टाइप करता है. एक दोस्त ने बताया कि उसने अपने बॉयफ्रेंड के फोन पर उसकी गर्लफ्रेंड का नाम कोड के तौर पर डाला, और फोन खुल गया. कुछ दिनों बाद वो उसे अपनी एक्स-गर्लफ्रेंड के लिए छोड़ गया.

एक ने कहा कि उसने बॉयफ्रेंड से कहा कि वो उसके एपल टीवी पर अपनी एपल आईडी डाल दे, जिससे उसके एपल आई डी की सारी फोटोज सिंक कर गईं और लड़की ने बॉयफ्रेंड और उसकी ऑफिस सहकर्मी की साथ में आपत्तिजनक फोटोज देख लीं. एक ने कहा कि उसका बॉयफ्रेंड एक बार अपनी स्मार्टवॉच को घर में इधर-उधर छोड़कर कुछ काम में लगा था. अचानक घड़ी में नोटिफिकेशन आया जो किसी दूसरी लड़की के मैसेज का था. अंत में जैना ने अपने भी सीक्रेट ट्रिक के बारे में बताया. उसने कहा कि आज के वक्त में लोग कई चीजों के पासवर्ड एक ही रखते हैं. इस वजह से फोन सीधे फोन का पासवर्ड मांगने की जगह, लड़कियां अपने बॉयफ्रेंड से उसका नेटफ्लिक्स का आईडी पासवर्ड मांग सकती हैं और उसी से फोन भी हैक कर सकती हैं.

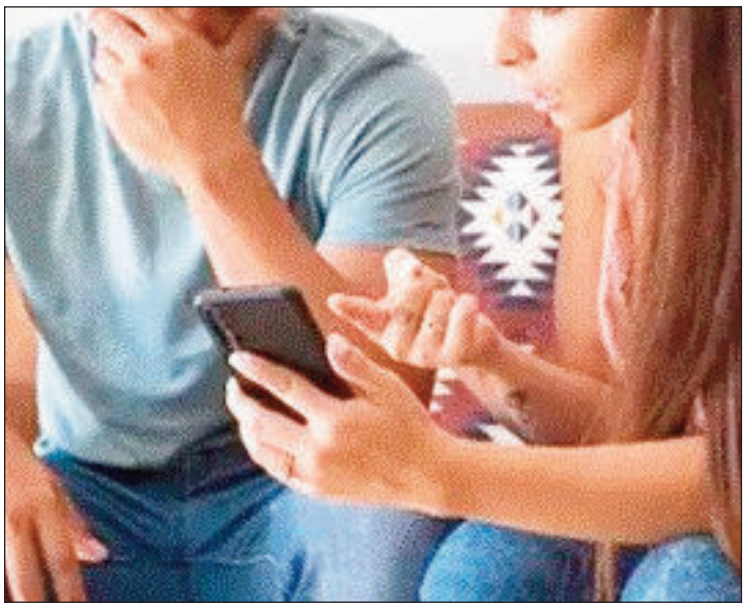

बच्चों को बनाना चाहते हैं स्मार्ट और इंटेलिजेंट, तो करें ये उपाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : सभी अभिभावक की ख्वाहिश होती है कि उनके बच्चे तेज-तर्रार और बुद्धिमान बने. साथ ही उनका आइक्यू (इंटेलिजेंट कोशिएंट) लेवल हाइ हो. इसके लिए माता-पिता बच्चों को अलग-अलग तरह की दिमागी कसरत करने के लिए प्रेरित करते हैं.

कुछ आसान तरीके हैं, जिनकी मदद से आप अपने बच्चे का आइक्यू लेवल बढ़ा सकती हैं.म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना सिखाएंम्यूजिक की मदद से बच्चों के दिमागी विकास को तेज किया जा सकता है, इसलिए बच्चों को कोई-न-कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट बजाना जरूर सिखाएं. म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट को बजाना या सीखना मस्तिष्क को बूस्ट करने वाली बेहतरीन एक्टिविटी है.गहरी सांस लेने की आदत डालेंगहरी सांस लेने से मन शांत रहता है. इससे तनाव कम होता है और ध्यान लगाने की पावर को बढ़ती है. आप सुबह या रात में 10 से 15 मिनट निकाल कर अपने बच्चे के साथ गहरी सांस लेने का अभ्यास कर सकते हैं.

मैथमेटिकल कैलकुलेशन कराएंमैथमेटिकल कैलकुलेशन मस्तिष्क के कामकाज को बढ़ावा देने के साथ बच्चे के आईक्यू लेवल में भी सुधार कर सकती है. आप उनसे जोड़ और घटाव के सवाल पूछकर, उन्हें व्यस्त रख सकती हैं.खेलने के लिए प्रोत्साहित करेंबच्चे के संपूर्ण विकास के लिए शारीरिक गतिविधियां जरूरी हैं. खेलने से मस्तिष्क की गतिविधि बढ़ती है, क्योंकि इस दौरान एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, इसलिए बच्चे को खेलने के लिए प्रोत्साहित करें.माइंड गेम खेलने के लिए कहेंबच्चों का आइक्यू लेवल बढ़ाने के लिए उन्हें ऐसे गेम्स खेलने के लिए मोटिवेट करें. उन्हें पहेलियां बुझाएं और क्रॉसवर्ड सॉल्व करने को कहें. इससे ब्रेन की एक्सरसाइज होगी और आइक्यू लेवल भी बढ़ेगा. ब्रेन फंक्शनिंग और आइक्यू में सुधार वाले गेम्स डाउनलोड करें. इससे उनका आइक्यू लेवल भी बढ़ जायेगा.

सावधान : गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है हाइपरटेंशन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : बिगड़ती जीवनशैली और काम के बढ़ते बोझ की वजह से इन दिनों लोग कई समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। डायबिटीज, बीपी जैसी समस्याएं आजकल काफी आम हो चुकी हैं, जिससे कई लोग परेशान हैं। हाइपरटेंशन भी इन्हीं समस्याओं में से एक है, जो कई बार स्ट्रोक, दिल और किडनी की बीमारियों की वजह बनता है। कम लोग यह जानते होंगे कि हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को ही मेडिकल की भाषा में हाइपरटेंशन कहा जाता है। जिसके प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से हर साल 17 मई को विश्व हाइपरटेंशन दिवस मनाया जाता है। आप भी हाइपरटेंशन की समस्या से जूझ रहे हैं, तो हम आपको बताएंगे कुछ ऐसे आयुर्वेदिक इलाज के बारे में, जिसकी मदद से आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं।

अर्जुन की छालकई औषधीय गुणों से भरपूर अर्जुन की छाल सेहत के लिए बेहद लाभकारी होती है। यह कई बीमारियों के इलाज के लिए भी इस्तेमाल की जाती है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करने के लिए भी अर्जुन की छाल बेहद फायदेमंद मानी जाती है। इतना ही नहीं इसके सेवन से शरीर में बढ़ा कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी कम होता है। नियमित रूप से इसकी चाय बनाकर पीने से हाइपरटेंशन से राहत मिलती है।

चुकंदरचुकंदर हमारी सेहत के लिए काफी लाभकारी होता है। यही वजह है कि डॉक्टर भी इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व न सिर्फ शरीर में खून की कमी को दूर करते हैं, बल्कि हाइपरटेंशन से भी राहत दिलाते हैं। ऐसे में आप चुकंदर को सलाद या जूस के रूप में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।त्रिफलाऔषधीय गुणों से भरपूर त्रिफला का जिक्र आयुर्वेद में भी मिलता है। हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से निजात पाने के लिए त्रिफला एक बेहतरीन उपाय है। यह शरीर में ब्लड सरकुलेशन में सुधार कर रक्त वाहिकाओं पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है। ऐसे में अगर आप हाइपरटेंशन के शिकार हैं, तो रोजाना रात में खाने के 2 घंटे बाद एक चम्मच त्रिफला चूर्ण आपको फायदा पहुंचा सकता है। इसके सेवन से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और पाचन तंत्र भी ठीक होता है।

अश्वगंधातनाव हाइपरटेंशन का एक मुख्य कारण है। ऐसे में अगर आप अश्वगंधा का सेवन करते हैं, तो इससे तनाव दूर करने में मदद मिलती है। दरअसल, अश्वगंधा में तनाव दूर करने वाले औषधीय गुण पाए जाते हैं। अगर आप भी तनाव या हाइपरटेंशन की समस्या से जूझ रहे हैं, तो दूध में एक चम्मच अश्वगंधा मिलाकर नियमित रूप से पीने से आपको फायदा मिलेगा।दालचीनीदालचीनी भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख मसालों में से एक है। यह न सिर्फ हमारे खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत को भी कई सारे फायदे हो जाता है। इसमें मौजूद पोटैशियम,फाइबर, कैल्शियम जैसे गुण उच्च रक्तचाप की समस्या से राहत दिलाने में मदद करते हैं। ऐसे में दालचीनी के पानी का सेवन करने से हाइपरटेंशन की समस्या में आराम मिलता है।

आदि कैलाश पहुंचना होगा आसान, शुरू होगी हेली सेवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी 19 फरवरी : उत्तराखंड में हवाई सेवाओं के विस्तार की कवायद जारी है। इसी कड़ी में प्रदेश के तीन सीमांत क्षेत्र जल्द ही हवाई सेवा के जरिए कुमाऊं की आर्थिक राजधानी हल्द्वानी से जुड़ने जा रहे हैं। 22 फरवरी से हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुनस्यारी और चंपावत के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने जा रही है। इस सेवा के तहत लोग हल्द्वानी के गौलापर स्थित हेलीपैड से पिथौरागढ़-मुनस्यारी और चंपावत के लिए हेलीकॉप्टर से उड़ान भर सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छोटा कैलाश दर्शन के बाद से यहां पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है, इसे देखते हुए सरकार ने सीमांत क्षेत्र के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। उड़ान का टाइम टेबल और किराया भी जान लें। हल्द्वानी से मुनस्यारी के लिए पहली हेलीकॉप्टर सेवा सुबह 7:45 बजे है, पिथौरागढ़ के लिए 9:35 बजे और चंपावत के लिए

11:05 बजे सेवा संचालित होगी। चंपावत के लिए प्रति व्यक्ति किराया 2500 रुपये रखा गया है।

जबकि पिथौरागढ़ के लिए 3000 रुपये और मुनस्यारी के लिए 3500 रुपये किराये के तौर पर देने होंगे। इन सेवाओं के शुरू होने से लोगों को यात्रा के लिए एक और सेवा का विकल्प मिल सकेगा, साथ ही पर्यटन गतिविधियों में भी तेजी आएगी। उपजिलाधिकारी पारितोष वर्मा ने बताया कि हेली सेवा का ट्रायल सफल होने पर डीजीसीए की अनुमति के बाद यह सेवा 22 फरवरी से शुरू होने जा रही है। हेली सेवा कंपनी ने 19 जनवरी को गौलापार हेलीपैड से हेली सेवा हेतु ट्रायल किया था। जिसके बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा हेलीकॉप्टर सेवा की अनुमति दी गई है।

वनाग्नि रोकने को स्थानीय समुदाय की सहभागिता जरूरी : डीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तरकाशी। जिले की समृद्ध वन संपदा और जैव विविधता को संरक्षित रखने और वनाग्नि की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेते डीएम डा. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कारगर कदम उठाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जंगलों को आग से बचाने के लिए स्थानीय समुदाय की सहभागिता जरूरी है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने वनाग्नि के प्रभावी नियंत्रण हेतु गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक की।

कहा कि हर साल एक बड़ा वन क्षेत्र आग की चपेट में आने से वनों एवं वन्यजीवों को भारी नुकसान पहुंचता है। जिसे देखते हुए 87 फीसदी वन क्षेत्र वाले उत्तरकाशी जिले में वनाग्नि नियंत्रण की चुनौती और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को वनाग्नि के नियंत्रण के लिए कारगर उपाय सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। इस काम में जिला योजना और आपदा मद से अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने वन विभाग की कार्य योजना में फायर लाइनों के पुनर्जीवन और विस्तारीकरण के साथ ही वनाग्नि के प्रति अत्यधिक संवेदनशील चीड़ के स्थान पर स्थानीय व उपयुक्त प्रजाति के वृक्ष लगाए जाने की योजनाओं को प्राथमिकता दी। डीएम ने वनों से होकर गुजरने वाली सडक़ों को फायरलाइन के रूप में उपयोग में लाये जाने के उपायों पर विचार करने की जरूरत बताते हुए कहा कि हमें वनाग्नि प्रबंधन हेतु लीक से हटकर नई सोच के साथ कुछ अभिनव पहल भी करनी होगी। उन्होंने वनों की सुरक्षा के लिए समय-समय पर पिरुल की सफाई, वन चौकी और क्रू स्टेशन पर पर्याप्त संसाधनों, अग्निशामक सामग्री व उपकरणों आदि की व्यवस्था रखने और ग्रामीणों को वनाग्नि के प्रति सचेत रहने को कहा। इस मौके पर सीडीओ जय किशन, एडीएम रजा अब्बास, प्रभागीय वनाधिकारी उत्तरकाशी डीपी बलूनी, गंगोत्री नेशनल पार्क के उप निदेशक जीएन पांडेय, डीएफओ अपर यमुना अभिलाषा सिंह, डीएफओ टौंस दीपक कुमार, एसडीएम बृजेश कुमार तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रशांत कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलवीर सिंह राणा, एसडीओ मयंक कुमार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र पटवाल, वन निगम के प्रभागीय लॉगिंग प्रबंधक सहित बीआरओ, लोनिवि, राजमार्ग खंड, अग्निशमन विभाग, आईटीबीपी के अधिकारियों के साथ ही नागरिक समुदाय व पर्यावरण संगठनों के प्रतिनिधि लोकेंद्र बिष्ट, नागेंद्र दत्त थपलियाल, प्रताप पोखरियाल आदि मौजूद रहे।

केदारनाथ यात्रा की तैयारियों में जुटा प्रशासन, डीएम ने हाईवे से अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग 19 फरवरी : रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने आगामी केदारनाथ यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में डीएम सौरभ गहरवार ने संकरे हाईवे को चौड़ा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हाईवे के किनारे जहां भी अतिक्रमण है, वहां से अतिक्रमण को हटाया जाएगा। डीएम ने अधिकारियों के साथ रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे का निरीक्षण किया। उन्होंने केदारघाटी में हाईवे पर स्थानों को चिह्नित कर पार्किंग बनाने, पार्किंग और डंपिंग जोन पर पहाड़ी शैली की हट्स बनाकर सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।

ताकि यात्रियों को यहां अच्छे अनुभव मिलें। गौरीकुंड हाईवे किनारे बने टिन शेड, दुकानों और अन्य अवैध निर्माण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए हैं। यात्राकाल में लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए हाईवे पर गिवाणी, काकड़ागाड़ में पुलिस बैरियर लगाने और कुंड पुल के समीप नए पार्किंग स्थल बनाने, घोड़े-खच्चरो के लिए बन रहे आधुनिक शेड व हॉकरों के आवास का काम प्राथमिकता से करने को कहा गया है।

डीएम ने एनएच के ईई को हाईवे निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ गति लाने के लिए कहा। डीएम सौरभ गहरवार ने कहा कि यात्रा व्यवस्थाओं में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि रुद्रप्रयाग में गौरीकुंड राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुंड-सेमी-भैंसारी से कालीमठ मार्ग तिराहा तक सुधारीकरण कार्य भी किया जा रहा है, इसके चलते मार्ग एक माह तक बंद रहेगा। इस दौरान रुद्रप्रयाग से केदारघाटी जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्ग कुंड-चुन्नी बैंड-विद्यापीठ-कालीमठ से संचालित किया जाएगा।

संक्षप्ति खबरें

नशे के आदी हो चुके लोगों की काउंसलिंग की

चमोली। मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत चमोली पुलिस ऐसे युवाओं जो नशे की लत में फंस चुके हैं उनको चिह्नित कर काउंसलिंग कर रही है और उन्हें नशे की लत से दूर रहने की सलाह और शिक्षा दे रही है। शनिवार को कर्णप्रयाग कोतवाली में इंस्पेक्टर पंकज कुमार तथा एसओजी की संयुक्त टीम ने कर्णप्रयाग कोतवाली क्षेत्र में पूर्व में नशे के आदी हो चुके युवाओं की काउंसलिंग की। काउंसलिंग के दौरान बताया गया कि किस प्रकार नशा हमारे मस्तिष्क, शरीर एवं सम्पूर्ण जीवन को बर्बाद कर देता है। युवकों को नशे के दुष्प्रभाव की व्यापक जानकारी देते हुए नशा त्यागकर जीवन की मुख्यधारा से जुडने के लिये मार्गदर्शन किया गया। कांउसलिंग में युवाओं को हौसला दिया गया कि नशे की लत को छोडना मुश्किल भले ही हो, लेकिन नामुमकिन नहीं है। नशे से अपने आप को दूर करने के लिए दृढ इच्छा शक्ति का होना जरूरी है। चमोली की पुलिस अधीक्षक रेखा यादव ने कहा नशा मुक्त उत्तराखंड अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जहां अभियान जारी है, वहीं नशे के आदी हो चुके लोगों खासकर युवाओं को नशे के जाल से बाहर निकालने के प्रयास में चमोली पुलिस कार्य कर रही है। कांउसलिंग इसी अभियान का हिस्सा है।

रजत जयंती समारोह में नौनिहालों ने दी शानदार प्रस्तुति

विकासनगर। सहसपुर ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय महमूदनगर का रजत जयंती समारोह मनाया गया। रविवार को आयोजित समारोह में नौनिहालों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की तालियां बटोरी। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि शंकरपुर-हुकूमतपुर की ग्राम प्रधान बेबी मौर्य ने किया। प्रधान ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षक और अभिभावक नौनिहालों की प्रतिभाओं से रूबरू होते हैं। इसके साथ ही बच्चों में आत्मविश्वास पैदा होता है। कहा कि किताबी ज्ञान के साथ ही शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान दिया जाना भी जरूरी है। समारोह के तहत बच्चों ने संगीत, लोकगीत, लोक नृत्य, बॉलीवुड फ्यूजन समेत जौनसारी, गढ़वाली, कुमाउनी लोक नृत्यों की शानदार प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी। इसके साथ ही राजस्थानी, पंजाबी, गुजराती लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुति दी। प्रधानाचार्य स्नेहलता ने विद्यालय के 25 वर्षों की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र रावत, संजय कुमार, सीआरसी अर्जुन बिष्ट, नारायण दत्त जोशी आदि मौजूद रहे।

सडक़ के लिए अनशन जारी

चमोली। जिले के पोखरी विकास खंड के अंतर्गत नौली-धोतीधार सडक़ की मांग को लेकर चंद्रशिला पट्टी के ग्रामीणों का लोनिवि कार्यालय परिसर में क्रमिक अनशन आठवें दिन भी जारी रहा। क्षेत्र के 40 से अधिक ग्रामीणों ने 10 फरवरी को रैली निकालने के बाद धरना शुरू कर दिया था जो निरंतर जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग के बनने से क्षेत्र में पर्यटन की संभावनाएं काफी बढ़ जाएंगी, जिसका लाभ क्षेत्र की जनता को होगा। शनिवार को क्रमिक अनशन पर बैठने वालों में प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह राणा, नैल के प्रधान संजय रमोला, गोपाल रमोला, देवेंद्र नेगी, बलवीर परमार, कांडई चंद्रशिला के प्रधान नवीन राणा, पाटी जखमाला के प्रधान प्रेम सिंह नेगी, मसोली के प्रधान देवेंद्र लाल, गुणम के प्रधान सज्जन सिंह आदि शामिल रहे।

निर्धन और असहाय लोगों की मदद को आगे आया फाउंडेशन

चमोली। ठंड के सीजन में निर्धन और असहाय लोगों की मदद के लिए अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाए हैं। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और डिग्री कॉलेज कर्णप्रयाग के छात्र-छात्राओं ने इसके लिए रविवार को कर्णप्रयाग में जागरूकता रैली निकली। फाउंडेशन और डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने समाज में निर्धन और गरीब लोगों की मदद करने के लिए टू वर्ड ह्यूमिनिटी नाम से यूथ ग्रुप बनाया है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की रीमा ने बताया कि हमारा मुख्य उद्देश्य निर्धन लोगों की मदद करना है। जिसके तहत हम पुराने कपड़ों को एकत्र कर जरूरतमंद लोगों को बांट रहे है। साफ सफाई के क्षेत्र में भी हम लोग कार्य करने जा रहे है। नदियों के किनारे और अस्पतालों में साफ-सफाई की जाएगी। इस अवसर पर अंकिता, अजय, अंकित, प्रज्ञा, सानिया, मुस्कान, अमिता, सलोनी, अभिषेक, राहुल, कपिल, सिमरन, तनीषा आदि मौजूद थे।

देहरादून : विदेश भेजने के नाम पर बुजुर्ग से 3.77 लाख की ठगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 फरवरी : देहरादून में एक बुजुर्ग से विदेश भेजने के नाम पर 3.77 लाख की ठगी हो गई। जालसाजों ने उन्हें कनाडा और ब्रिटेन का वीजा दिलाने के नाम पर लूट लिया। पीड़ित अपनी पत्नी और बेटे के साथ विदेश जाना चाहते थे। उनकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ डालनवाला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के दौरान पता चला कि आरोपियों के खिलाफ पंजाब के लुधियाना में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। पीड़ित बुजुर्ग विजय खन्ना इंदर रोड क्षेत्र में रहते हैं।

उन्होंने बताया कि वह अपनी पत्नी डॉ. गीता खन्ना और पुत्र डॉ. सिद्धांत खन्ना संग कनाडा और ब्रिटेन जाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने राहुल भाटिया निवासी राजपुर रोड से संपर्क किया। भाटिया ने उनकी मुलाकात चिराग कपूर व त्रिशला निवासी बाबा कॉलोनी गद्दी, हैबोवाल, भारत नगर चौक, लुधियाना से कराई। ये दोनों सीएस कंसल्टेंट्स नाम से घुमर मंडी नेशनल रोड लुधियाना में फर्म चलाते हैं। उन्होंने मई 2023 में कपूर व त्रिशला से बात की।

इन दोनों ने बताया कि वे कनाडा और यूके का वीजा लगवा देंगे। उन्होंने पासपोर्ट व अन्य दस्तावेज मांगे। इसके साथ ही इन दोनों ने भागदौड़ न करनी पड़े, इसके लिए भी कमीशन के तौर पर रुपये ले लिए। एंबेसी की फीस समेत 3.77 लाख रुपये विभिन्न खातों में जमा करा लिए गए। बुजुर्ग को कुछ दिन बाद बताया गया कि उनका वीजा लग चुका है, लेकिन जब पीड़ित ने एंबेसी से बात की तो पता चला कि वीजा फर्जी है। इसके बाद बुजुर्ग को पता चला कि चिराग और त्रिशला लुधियाना में इसी तरह कई लोगों को चूना लगा चुके हैं। दोनों के खिलाफ कई केस दर्ज हैं। पीड़ित बुजुर्ग ने अब पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

UKSSSC ने समूह-ग के 370 पदों पर निकाली भर्ती

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 फरवरी : बेरोजगार युवा ध्यान दें। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने समूह-ग के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय के अनुदेशक संवर्ग के 370 पदों पर भर्ती निकाली है। इसके लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

इस भर्ती के माध्यम से अनुदेशक विद्युतकार के 75, अनुदेशक फिटर के 70, अनुदेशक इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक्स के 40, वेल्डर के 28, इंप्लाइ बिलिटी स्किल के 24, कला-गणित के 18, ड्राफ्टमैन सिविल के 13, फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी के 13, मशीनिस्ट के 13, स्वीइंग टेक्नोलॉजी के 13, मैकेनिक मोटर व्हीकल के 10, इन्फॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी सिस्टम मेंटेनेंस के आठ, कॉस्मेटोलॉजी के आठ, स्टेनोग्राफर एंड सेक्रेटेरियल असिस्टेंट के छह, टर्नर के छह, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन टेक्नोलॉजी के पांच पद भरे जाएंगे। इसी तरह ड्राफ्ट्समैन मैकेनिक के चार, प्लंबर के तीन, कंप्यूटर ऑपरेशन के दो, मैकेनिक ऑटो बॉडी पेंटिंग के दो, मैकेनिक ऑटो बॉडी रिपेयर के दो, मैकेनिक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लाएंसेज के दो, पेंटर जनरल के दो, कारपेंटर का एक, ड्रेस मेकिंग व सर्वेयर के एक-एक पद पर भर्ती होगी।

आवेदन शुल्क भी जान लें। जनरल, ओबीसी के लिए 300 रुपये, एससी, एसटी व दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 150 रुपये शुल्क होगा। आयोग के सचिव सुरेंद्र सिंह रावत ने बताया, कि परीक्षा के लिए आयु सीमा 21 से 42 वर्ष के बीच है। भर्ती का विज्ञापन जारी किया जा चुका है। आवेदन में 20 से 22 मार्च के बीच संशोधन कर सकेंगे। जून में परीक्षा प्रस्तावित है।

हर चेक पोस्ट पर अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाये सीसीटीवी कैमरा : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 19 फरवरी : मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन के दौरान प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर, पुलिस बल एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक की मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी वी आर सी पुरुषोत्तम ने सचिवालय स्थित वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली सभागार में निर्वाचन के दौरान प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर, पुलिस बल एवं केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में पुलिस मुख्यालय, आबकारी विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे।

समय से सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए की निर्वाचन प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व सभी तैयारियां समय से कर ली जाएं। जनपदवार पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती एवं केंद्रीय पुलिस बल की तैनाती के संबंध में विस्तृत होमवर्क कर लिया जाए।

इंटर स्टेट मॉनिटरिंग और इंटर डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग का भी फुल प्रूफ प्लान तैयार किया जाए

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इंटर स्टेट मॉनिटरिंग और इंटर डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग का भी फुल प्रूफ प्लान तैयार कर प्रभावी तरीके से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित विभागों को यह स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हर चेक पोस्ट पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरा और सर्विलांस की व्यवस्था हो। इसके अतिरिक्त पुलिस और आबकारी विभाग के सर्विलांस और चेक पोस्ट अलग-अलग स्थानों पर स्थापित करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने प्रदेश में समस्त जनपदों से जारी हथियार लाइसेंस धारकों की सूची का पुनरीक्षण कर उनका सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पुलिस विभाग को विभिन्न जनपदों में हिस्ट्रीशीटर, गैंगस्टर की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय पुलिस बलों के कैंप के लिए प्रस्तावित स्थलों पर मूलभूत व्यवस्थाओं का प्रबंध

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम ने पुलिस विभाग से ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों के शत प्रतिशत मतदान कराए जाने हेतु विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने केंद्रीय पुलिस बलों के कैंप हेतु प्रस्तावित स्थलों पर मूलभूत व्यवस्थाओं के पहले से स्थलीय निरीक्षण कर समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों का स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित हो

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेश में संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं, इसके साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान में प्रवर्तन गतिविधियों में लगे सभी नोडल एजेंसियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के निर्देश दिए । मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आबकारी विभाग एवं पुलिस विभाग को चुनावों को देखते हुए अवैध शराब का भंडारण एवं तस्करी करने वालों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए।पुलिस विभाग द्वारा बैठक में बताया गया कि प्रदेश में जनपदवार पुलिस बल की तैनाती, केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती, संवेदनशील स्थानों एवं प्रवर्तन संबंधित एक्शन प्लान तैयार कर दिया गया है। बैठक में आबकारी विभाग द्वारा बताया गया कि प्रदेश में चुनाव को देखते हुए प्रवर्तन एवं मॉनिटरिंग के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं जिसमें 24 घंटे प्रत्येक जनपद की मॉनिटरिंग की जा रही है।

बैठक में पुलिस निर्वाचन स्टेट नोडल अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन, पुलिस महानिरीक्षक डॉ. निलेश आनंद भरणे, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय जोगदंडे, उप पुलिस महानिरीक्षक पी. रेणुका देवी, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी नमामि बंसल, प्रताप शाह समेत आबकारी विभाग व अन्य विभाग से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

लालची हेड कांस्टेबल ने 20 लाख के लिए माँ बेटे को उतारा मौत के घाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार 19 फरवरी : आज के वक्त में इंसान से बड़ा जानवर कोई नहीं, अब हरिद्वार के झबरेड़ा में ही देख लें। यहां एक हेड कांस्टेबल ने 20 लाख के लालच में दृष्टिहीन महिला और उसके किशोर बेटे को को मार डाला। किशोर का शव एक नाले से मिला था। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए बताया कि मुख्य हत्यारोपी हेड कांस्टेबल ने पूछताछ में हत्या करने की बात कबूली है। उसने स्वीकार किया कि नौ फरवरी को उसने किशोर के साथ ही उसकी दृष्टिहीन मां को भी मारकर फेंक दिया।

फिलहाल, मां का शव बरामद नहीं हुआ है। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर मौके पर जाएगी। बता दें कि 14 फरवरी को झबरेड़ा क्षेत्र में नाले से 16 साल के किशोर की लाश मिली थी। शव की शिनाख्त दृष्टिहीन महिला ममता के बेटे नरेंद्र निवासी कांठ जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई थी। जांच आगे बढ़ी तो पुलिस रोशना बाद पुलिस लाइन में तैनात हेड कांस्टेबल छुन्ना सिंह निवासी राठा पोस्ट मसूदपुर थाना अछला जिला औरैया उत्तर प्रदेश तक पहुंच गई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने बताया कि दृष्टिहीन ममता ने अपने हिस्से के खेती और घर को बेच दिया था।

इससे मिले कुल 20 लाख रुपये के लालच में आकर उसने हत्या की साजिश रची। इसमें उसके साथ दोस्त भी शामिल थे, जिनमें दो सह अभियुक्त विनोद काला निवासी हरिद्वार और सहजाद निवासी अकबरपुर झोझा जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार कर लिया गया है। रुपये हड़पने के लिए छुन्ना सिंह ने महिला को साथ रखने का वादा किया था। उस पर विश्वास करते हुए ममता ने कांठ में संपत्ति बेचकर रोशनाबाद में जमीन खरीदी। बचे पैसे से छुन्ना सिंह को ऑल्टो कार भी खरीदकर दी।

इसके बाद जब महिला ने रोशनाबाद की जमीन बेचकर झबरेड़ा में शिफ्ट होने का प्लान बनाया तो इसी बीच हेड कांस्टेबल छुन्ना सिंह ने हत्या की साजिश रच दी। उसने ऑल्टो कार में अपने दोस्तों के साथ मिलकर मां और बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी।

बेटे की लाश को उसने नाले में फेंका और मां की लाश नहर में फेंक दी। किशोर के शव की शिनाख्त उसकी जेब से मिले प्रॉपर्टी डीलर के कार्ड के जरिए हुई थी, इसके बाद कड़ियां जुड़ती चली गई और पुलिस ने आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ऑल्टो कार और आरोपियों में बंटे दस लाख रुपये भी बरामद किए हैं।

शेर, बाघ या तेंदुआ, किसकी है सबसे खतरनाक दहाड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : जब बात जंगली बिल्लियों की होती है, तो लोगों के जहन में शेर, बाघ, चीता, तेंदुआ जैसे कई जीवों का ख्याल आता है. ये सारे जीव बिल्ली की प्रजाति के हैं और जंगल के सबसे खूंखार शिकारियों में से एक हैं. आपने फिल्मों, कार्टूनों या फिर किसी जू में इन जीवों की आवाज सुनी होगी और जानते होंगे कि ये जब दहाड़ते हैं, तो बाकी के जीव कांप जाते हैं. तो क्या आपने कभी सोचा है कि शेर, बाघ या तेंदुए में से किसी दहाड़ सबसे ज्यादा खतरनाक है? इन जीवों में एक ऐसी भी बिल्ली है, जिसकी आवाज सुनकर आप ये जरूर कहेंगे कि ये जंगली बिल्लियों के नाम पर धब्बा है।

ट्विटर अकाउंट पर अक्सर हैरान करने वाले पोस्ट किए जाते हैं. हाल ही में इस अकाउंट पर एक फोटो शेयर किया गया है जिसमें शेर, बाघ और तेंदुए की दहाड़ने की आवाज सुनाई गई है. आमतौर पर लोगों को लगता है कि शेर को जंगल का राजा कहते हैं, इस वजह से उसकी दहाड़ सबसे ज्यादा खूंखार होगी. वैसे तो ये बात सही भी है, तेंदुए की दहाड़ काफी भारी है, हालांकि, वो तेज नहीं दहाड़ता है. दूसरी दहाड़ है शेर की. शेर काफी तेजी से चीखता है, जो काफी खौफनाक लगाता है. जब आप बाघ की दहाड़ सुनेंगे, तो सबसे ज्यादा हैरान होंगे. जब वो दहाड़ता है, तो बाकी सारे जीवों की तुलना में उसकी आवाज खतरनाक लगती है।

आईएएस दीपक रावत का फैसला ऑन-द-स्पॉट महिला को वापस दिलवाये 17 लाख रुपये

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 19 फरवरी : आयुक्त दीपक रावत ने कैम्प कार्यालय में जनसुनवाई की, इसमें आई शिकायतों का मौके पर ही समाधान भी किया। जन शिकायतों में अधिकांश शिकायतें, भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद,अतिक्रमण, आर्थिक सहायता व भरण पोषण आदि से सम्बन्धित थीं। जनसुनवाई में आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को तलब कर समस्याओं का मौके पर समाधान किया। काफी संख्या में भूमि विवाद के मामले आने पर दीपक रावत ने अपील की कि जो भी लोग भूमि क्रय करते हैं,

वो भूमि क्रय करने से पहले भूमि की सभी जांच तहसील स्तर से सुनिश्चित करें। 17 फरवरी को हुई जनसुनवाई में रामपुर रोड हल्द्वानी निवासी ललिता बमेठा ने अपनी भूमि पर चल रहे विवाद के बारे में बताया। ललिता ने बताया कि पिछले साल उन्होंने ललित सिंह मेहरा से जमीन खरीदी थी। लेकिन ललित सिंह मेहरा ने महिला को गलत भूमि विक्रय कर दी। ये भूमि वर्ग-4 की यानी कि पट्टे वाली जमीन है। इसके बाद जनसुनवाई में ही दोनों पक्षों को तलब कर दिया गया।

आयुक्त दीपक रावत ने महिला ललिता बमेठा को भूमि की धनराशि वापस दिलाने के निर्देश दिये और जनसुनवाई में ही ललिता बमेठा को 17 लाख रुपये की धनराशि के चैक वापस दिलवाये।

हैरान महिला को एक बार के लिए भरोसा ही नहीं हुआ कि जो वो देख-सुन रही है वो सच है। 17 लाख की धनराशि वापस दिलाने पर ललिता बमेठा ने भरी आंखों से आयुक्त दीपक रावत का धन्यवाद किया। इसके बाद दीपक रावत ने वहां मौजूद बाकि लोगों को भी भूमि खरीद के संबंध में खास बातें बताएं..

उन्होंने कहा कि भूमि खरीदने से पहले जरूरी बातें जैसे भूमि वर्ग-1 की है या नही, भूमि पर बैंक से ऋण तो नहीं लिया है, इसके साथ भूमि के रजिस्ट्रीकरण के पश्चात दाखिल खारिज आदि सभी बातें अच्छे से जांच लें। आईएस रावत ने कहा कि जमीन खरीदने के बाद उसकी चारदीवारी भी करें जिससे भविष्य में होने वाली धोखाधड़ी से बचा जा सके।

रुड़की में पेपर मिल में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की 19 फरवरी : हरिद्वार में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां रुड़की के मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के नारसन में एक पेपर मिल के गोदाम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग भड़क उठी, आग इतनी भयंकर थी कि मौके पर दमकल की 9 गाड़ियां बुलानी पड़ी, तब कहीं जाकर करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने से करीब एक करोड़ के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। मामला गंगोत्री पेपर मिल से जुड़ा है। बीती देर रात मिल के गोदाम से अचानक आग की लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई।

फायर ब्रिगेड की टीम ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गंगोत्री पेपर मिल नारसन से झबरेड़ा की तरफ जाने वाले मार्ग पर स्थित है। आग बुझाने के लिए पहले हरिद्वार जिले से अग्निशमन की गाड़ियां बुलाई गईं, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से भी दमकल की अतिरिक्त गाड़ियां बुलाई गईं। तब कहीं जाकर दमकल की टीम ने करीब 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। बताया जा रहा है कि आग लगने से करीब एक करोड़ का नुकसान हुआ है। आग लगने की वजह का पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है।

पेयजल एजेंसियों को उनके अधिकार दिलाने को कर्मचारी लामबंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। पेयजल एजेंसियों से ही पेयजल, सीवरेज जैसे तकनीकी काम कराने और शहरी विकास की एजेंसी से काम वापस लेने की मांग को लेकर कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया है। जल निगम जल संस्थान संयुक्त मोर्चा ने शासन में बैठे अफसरों पर पेयजल एजेंसियों को कमजोर करने का आरोप लगाया। सीवरेज और पेयजल जैसे तकनीकी काम गैर पेयजल एजेंसियों के इंजीनियरों से कराने को राज्य का नुकसान बताया। संयुक्त मोर्चा के संयोजक रमेश बिंजौला और विजय खाली ने एक बयान जारी कर रहा कि सरकार को 20 फरवरी तक का समय दिया गया है। यदि इस बीच पेयजल, सीवरेज के काम पेयजल एजेंसियों को वापस नहीं किए जाते हैं। पेयजल को राजकीय विभाग बनाने की दिशा में कोई काम नहीं होता है, तो 21 फरवरी को अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान कर दिया जाएगा। कहा कि राज्य के 19 शहरों में अरबों के सीवरेज, पेयजल के काम उन इंजीनियरों से कराए जा रहे हैं, जिन्होंने कभी ये काम किए ही नहीं है।कहा कि जिन इंजीनियरों का इस्तेमाल बिजली उत्पादन बढ़ाने को किया जाना था, उन्हें पेयजल, सीवरेज के कामों में लगा रखा है। यही वजह है, जो एक के बाद एक योजनाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। अरबों का बजट खर्च कर भी लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। गलत तरीके से ट्यूबवेल बोर कराए जा रहे हैं, जो बाद में फेल साबित हो रहे हैं। ओवरहेड टैंक लीक कर रहे हैं। बजट बर्बाद करने को करोड़ों के सफेद हाथी के रूप में आरओ प्लांट खड़े कर दिए गए हैं। ऐसे कामों से सिर्फ राज्य का नुकसान हो रहा है। अरबों का लोन देकर यदि इस तरह के काम किए जाएंगे, तो इसका नुकसान राज्य की आने वाली पीढ़ी को भुगतना होगा। यदि जल्द फैसला नहीं होता, तो कर्मचारियों के सामने सिवाय हड़ताल के कोई दूसरा विकल्प नहीं बचेगा।

देहरादून में ही आ रही सबसे अधिक शिकायतें: संयुक्त मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि एडीबी के बजट से होने वाले कामों में सबसे अधिक शिकायतें देहरादून में ही आ रही हैं।

लकड़ी बीनने गई महिला को बाघ ने बनाया निवाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रामनगर 19 फरवरी : रामनगर में एक बार फिर बाघ के हमले की घटना सामने आई है। यहां ढेला रेंज में बाघ ने एक और महिला का शिकार किया है। क्षेत्र में बीते 4 महीने में बाघ के हमले की यह चौथी घटना है। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र की महिलाएं जंगल में लकड़ियां बीनने गई थी, तभी बाघ एक महिला को जबड़े से पकड़ कर जंगल की ओर घसीटकर ले गया। बाद में महिला की अधखाई लाश जंगल में दो किमी अंदर मिली।

ग्रामीणों ने बताया कि ढेला गांव में रहने वाली 50 साल की कला देवी बीते दिन दोपहर में गांव की तीन अन्य महिलाओं संग लकड़ी और घास लेने जंगल गई थी। तभी बाघ ने महिला पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना वन विभाग और कॉर्बेट पार्क प्रशासन को भी दी. इसके बाद वन विभाग, कॉर्बेट पार्क प्रशासन और ग्रामीणों ने महिला की खोज के लिए जंगल में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

दो घंटे बाद महिला की लाश जंगल के भीतर से बरामद हुई। इस दौरान ग्रामीणों की वन अधिकारियों संग नोंकझोंक भी हुई। ग्रामीणों ने वन विभाग को महिला का शव नहीं उठाने दिया, वह बाघ को गोली मारने की मांग पर अड़े रहे। फिलहाल वन विभाग ने बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है, घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है, लोग डरे हुए हैं।

आपकी मेंटल हेल्थ को प्रभावित करती हैं ये पांच चीजें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : ऑफिस वर्क, घर का काम, बिल भरना, राशन और बच्चों की जिम्मेदारियां पूरी करते-करते कई बार व्यक्ति खुद पर ध्यान देना भूल जाता है. जिस वजह से व्यवहार में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, काम में मन न लगना और तनाव जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं. ये लक्षण खराब मेंटल हेल्थ की ओर इशारा करते हैं. मेंटल हेल्थ व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्थितियों को दर्शाता है।

अधिक तनाव और जिम्मेदारियां किसी भी व्यक्ति को मानसिक रूप से कमजोर कर सकती हैं. सिर्फ महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी खराब मेंटल हेल्थ का सामना करते हैं. दिमाग पर प्रेशर देने वाली समस्याओं के संकेतों को समय रहते भांप लिया जाए तो काफी हद तक मेंटल प्रेशर को कम किया जा सकता है. चलिए जानते हैं उन कारणों के बारे में जो मेंटल हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं।

लंबे समय तक काम करने से चिंता, डिप्रेशन और वर्कआउट बढ़ सकता है. द सन डॉट को डॉट यूके के अनुसार लाइफ को सुचारू रूप से चलाने के लिए काम पर अतिरिक्त घंटे देना सामान्य है लेकिन जब ये काम मेंटल प्रेशर बढ़ाने लगे तो मेंटल हेल्थ पर असर हो सकता है. अधिक काम करने से वजन में उतार-चढ़ाव, लगातार थकान, नींद की कमी और लो महसूस करने जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं. इससे कई गंभीर समस्याएं भी बढ़ सकती हैं. शोध के अनुसार जो लोग हफ्ते में 55 से 65 घंटे काम करते हैं उनकी मेंटल हेल्थ काफी खराब हो सकती है.

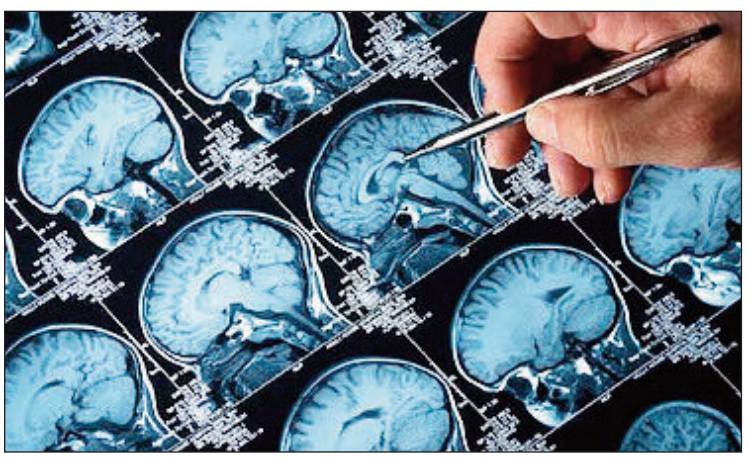

जैसा कि कहा जाता है कि आप जैसा खाते हैं वैसा ही प्रभाव शरीर और दिमाग पर पड़ता है. हेल्दी डाइट वास्तव में मेंटल हेल्थ में मदद कर सकती है. अधिक जंक फूड या अनहेल्दी खाना दिमाग को कमजोर बना सकता है. इसलिए डाइट में फल-सब्जियों, दूध, अंडा और मछली को शामिल करना डिप्रेशन के खतरे को कम कर सकता है।

अजब-गजब : इस गाँव में दूल्हा नहीं बल्कि उसकी बहन लेती है दुल्हन के साथ फेरे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : भारत एक बहुत बड़ा और सांस्कृतिक विविधता से भरा हुआ देश है। भारत के लगभग हर क्षेत्र की अपनी एक अलग खासियत और परंपरा है। हालांकि, कुछ ऐसी परंपराएँ भी हैं, जिनके बारे में जानकर लोगों को बहुत हैरानी होती है। आज हम आपको एक ऐसी ही शादी की अनोखी परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं। जी हाँ, इस परंपरा के अंतर्गत शादी के दौरान दूल्हा नहीं बल्कि उसकी बहन दुल्हन के साथ सात फेरे लेती हैं।

जानकारी के अनुसार, यह परंपरा गुजरात के आदिवासी इलाकों की है। यहाँ दूल्हे को अपनी बारात में जाने की अनुमति नहीं होती है और वह घर पर ही रहता है। उसकी जगह उसकी अविवाहित बहन बारात लेकर जाती है और दूल्हे के रूप में सारी रस्में अदा करती है। अगर दूल्हे की कोई बहन नहीं है, तो उसकी जगह परिवार की कोई कुँवारी कन्या दूल्हे की तरफ़ से जाती है और वही दुल्हन के साथ सात फेरे भी लेती है।

सूरखेड़ा गांव के कांजी भाई राठवा कहते हैं, ₹आमतौर पर सारी पारंपरिक रस्में जो दूल्हा निभाता है, वह उसकी बहन करती है। यहाँ तक कि मंगल फेरे भी बहन ही लेती है।₹उन्होंने आगे बताया, ₹इस अनोखी परंपरा का पालन यहाँ के तीन गाँवों में ही होता है। ऐसा माना जाता है कि अगर इस परंपरा का पालन न करें तो कुछ न कुछ अशुभ ज़रूर हो जाता है।₹शायद इसी डर की वजह से लोग परंपरा का पालन करते हैं।

वहीं गांव के मुखिया का कहना है कि जब भी किसी ने इस परंपरा को अनदेखा करने की कोशिश की है, उनका कुछ न कुछ नुकसान ज़रूर हुआ है। उनके अनुसार, कई बार लोगों ने इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश की और देखा गया कि या तो जोड़ों की शादी टूट जाती है या उनका वैवाहिक जीवन सुखद नहीं रहता है। कई बार कुछ और समस्याएं देखने को भी मिलती हैं। इस अनोखी परंपरा के बारे में पंडितों का कहना है कि यह परंपरा आदिवासी संस्कृति की पहचान है। यह एक लोककथा का हिस्सा है, जिसका पालन अनंतकाल से किया जा रहा है। इस कथा के अनुसार, तीन गांवों सूरखेड़ा, सानदा और अंबल के ग्राम देवता कुँवारे हैं। इसलिए उन्हें सम्मान देने के लिए दूल्हा घर पर ही रहता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से दूल्हा सुरक्षित रहता है, जबकि न करने पर विनाश होता है।

क्रिकेट के जरिए युवा मतदाताओं को मतदान के लिए किया जागरूक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली। लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता कार्यक्रम (स्वीप) के तहत जनपद चमोली में अभिनव माध्यम से जन-जन को मतदान का महत्व समझाया जा रहा है। इस कड़ी में रविवार को स्वीप टीम के सदस्यों द्वारा पुलिस मैदान गोपेश्वर में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित कर युवाओं को मतदान का महत्व बताया गया।

स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी अभिनव शाह ने खिलाडियों से आवाहन किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में वोट डालने अवश्य जाए और अपने अभिभावकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व है। स्वस्थ लोकतंत्र की नींव रखने और देश के विकास में अपनी भागीदारी के लिए चुनाव के इस महापर्व में वोट देकर अपना योगदान अवश्य करें। इस दौरान उन्होंने खिलाडियों को स्वीप टीर्सट, कैप वितरित की। खेल के दौरान स्वीप सेल्फी प्वाइंट भी आकर्षण का केंद्र रहा। स्वीप सेल्फी प्वाइंट पर खिलाडियों ने खूब फोटो खिंचवाए।

स्वीप के तहत आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में महाविद्यालय गोपेश्वर, जिला प्रशासन, जिला न्यायलय एकादश तथा पत्रकार एकादश की टीमों ने प्रतिभाग किया। पहला मैच जिला न्यायालय एकादश और जिला प्रशासन के बीच खेला गया। जिसमें जिला प्रशासन की टीम ने 58 रनों से जीत दर्ज की। जबकि दूसरा मैच पत्रकार एकादश और महाविद्यालय गोपेश्वर की टीम के बीच हुआ। जिसमें महाविद्यालय गोपेश्वर ने 02 विकेट से जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबला जिला प्रशासन और महाविद्यालय गोपेश्वर की टीम के बीच हुआ। जिसमें जिला प्रशासन की टीम ने 52 रनों से जीत दर्ज की। स्वीप के नोडल अधिकारी अभिनव शाह ने विजेताओं एवं उप विजेता टीमों को पुरस्कृत करते हुए सबसे मतदान अवश्य करने का आवाहन किया।

क्रिकेट प्रतियोगिता में माननीय जिला जज धर्म सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सिमरनजीत कौर, स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, जिला समन्वयक कुलदीप गैरोला, वरिष्ठ पत्रकार एवं युवा खिलाडियों ने बडे उत्साह के साथ प्रतिभाग करते हुए मतदान अवश्य करने की शपथ ली।

200 श्रमिकों को बांटी सामग्री

चमोली। श्रम विभाग चमोली ने शिविर लगाकर पंजीकृत 200 श्रमिकों को छतरी, कंबल और सेनेट्री पैड का वितरण किया। कर्णप्रयाग विधायक के प्रतिनिधि के तौर पर ब्लॉक प्रमुख चन्देश्वरी देवी के हाथों श्रमिकों को यह सामाग्री बांटी गई। उत्तराखंड सन्नीर्माण कर्मकार बोर्ड के माध्यम से श्रम विभाग चमोली ने रविवार को शिविर लगाकरदो सौ पंजीकृत श्रमिकों को छतरी, कंबल और सेनेट्री पैड बांटे। श्रम परिवर्तन अधिकारी दीपक कुमार ने बताया कि ठंड और बारिश से बचने के लिए विभाग द्वारा श्रमिकों की मदद की जा रही है। श्रमिकों के स्वास्थय परीक्षण के लिए मेडिकल टीम भी बुलाई गई है। ब्लॉक प्रमुख कर्णप्रयाग चन्देश्वरी देवी के हाथों यह सामान वितरित किया गया। शिविर में पहुंचे लोगों ने सरकार का धन्यवाद किया। इस मौके पर सरपंच संगठन चमोली के जिलाध्यक्ष कैलाश खंडूड़ी, कनिष्ठ सहायक सरिता नेगी, कनिष्ठ सहायक संजय बिष्ट आदि मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने छह माह से बंद सडक़ को श्रमदान कर खोला

चमोली। गत वर्ष अगस्त माह में अतिवृष्टि से जगह-जगह अवरुद्ध पड़ी कनोल-छुरागाड (11.6 किमी) सडक़ को खुलवाने के लिए ग्रामीणों ने पीएमजीएसवाई कर्णप्रयाग के अधिकारियों से कई बार गुहार लगाई, लेकिन सडक़ को सुचारु नहीं किया गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने विभाग को आइना दिखाते हुए स्वयं के संसाधनों से श्रमदान कर छह माह से बंद पड़ी सडक़ को दो दिन में छोटे वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया। शनिवार को इस सडक़ पर वाहन भी चले। ग्रामीणों का कहना है कि सडक़ अवरुद्ध होने से वे करीब तीन किलोमीटर पैदल आवाजाही कर रहे थे। जिसके चलते उन्हें जरुरी वस्तुओं की आपूर्ति खच्चरों से की जा रही थी, जिससे आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा था। नंदानगर विकासखंड के सुदूरवर्ती कनोल गांव के लोद भरतपुर तक सडक़ सुविधा है। लेकिन आपदा के दौरान सडक़ कई जगहों पर भूस्खलन से अवरुद्ध हो गई थी। सडक़ पर पेड़, मलबा और बोल्डर आने से छोटे वाहनों की आवाजाही भी नहीं हो पा रही थी। ग्रामीणों ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों से भी कई बार सडक़ खुलवाने की मांग की, लेकिन इस ओर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने विभाग को आइना दिखाने के लिए अपने-अपने घरों से फावड़े, कुदाल और बेलचा लेकर सडक़ से मलबा हटा दिया, जबकि टूटे पेड़ों को काटकर सडक़ से हटा दिया गया। जिसके बाद शुक्रवार से इस सडक़ पर छोटे वाहनों की आवाजाही सुचारू हो गई। ग्रामीण जसपाल सिंह नेगी, यशवंत सिंह और वीरेंद्र सिंह फस्र्वाण ने बताया कि पीएमजीएसवाई विभाग की ओर से सडक़ को खोलने में कोई दिलचस्पी नहीं ली गई। जिससे ग्रामीणों को अपने गंतव्य तक जाने में दिक्कतें उठानी पड़ रही थी। जिस कारण ग्रामीणों ने स्वयं ही सडक़ को खोलने की ठानी और सडक़ को सुचारू कर दिया।

मूल निवास और सशक्त भू-कानून की मांग को लेकर प्रदर्शन

देहरादून। मूल निवास भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति के नेतृत्व में मूल निवास व सशक्त भू-कानून की मांग को लेकर कोटद्वार में एक विशाल रैली निकाली गई। इस दौरान पूर्व सैनिकों और महिलाओं ने जन-गीत सुनाकर उत्तराखंड आंदोलन की यादें ताजा कर दी। रविवार को देवी मंदिर से मुख्य मार्गों में होते हुए रैली मालवीय उद्यान में समाप्त हुई। उसके बाद आयोजित जनसभा में वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड एकमात्र हिमालयी राज्य है, जहां राज्य के बाहर के लोग पर्वतीय क्षेत्रों की कृषि भूमि, गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए खरीद सकते हैं और इसका सीधा असर पर्वतीय राज्य की संस्कृति, परंपरा, अस्मिता और पहचान पर पड़ रहा है। राज्य निर्माण के 23 साल बाद भी सरकारों ने जनता के साथ कुठाराघात किया है। अब राज्य की जनता को इस लड़ाई को लडने के लिए फिर से सडक़ों पर आने की जरूरत है।

कहा कि अगर प्रदेश में मूल निवास और मजबूत भू कानून लागू होता तो हल्द्वानी जैसी अप्रिय घटना नहीं होती। मूल निवास और मजबूत भूमि कानून किसी भी बाहरी तत्व के खिलाफ सबसे असरदार हथियार है। कहा कि गढ़वाल मंडल के द्वार कोटद्वार से मूल निवास स्वाभिमान आंदोलन का शंखनाद हो गया है और इसकी गूंज देहरादून से लेकर दिल्ली तक सुनाई देगी। रैली में समिति के संयोजक मोहित डिमरी, लुसून टोडरिया, प्रमोद काला, यूकेडी अध्यक्ष पूरण कठैत, पूर्व सैनिक महेन्द्र पाल सिंह रावत, पूनम कैंत्युरा, प्रियंक नौडियाल, दीप्ती दुदपुड़ी, गीता नेगी, रंजना रावत, अनिल खंतवाल, रमेश भंडारी, जसबीर राणा, रश्मि पटवाल, आशुतोष कंडवाल, विजय रावत, राजाराम अण्थ्वाल, संजय रावत समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

संक्षप्ति खबरें

युवा मतदाताओं को वोट करने के लिए किया जागरूक

पौड़ी। लोकसभा चुनावों में युवा मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के मकसद से विभिन्न तकनीकी एवं प्रशिक्षण संस्थानों में जिला प्रशासन द्वारा जागरुकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर छात्र-छात्राओं को प्रोजक्टर के माध्यम से सी-विजिल एप के बारे में जानकारी दी गई। शनिवार को जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुड़दौड़ी, राजकीय नर्सिंग कॉलेज डोभ श्रीकोट में मतदान जागरुकता कार्यक्रम के दौरान निर्वाचन कर्मियों ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को बताया कि मतदान करना हमारा अधिकार है और हमें मतदान निष्पक्ष रूप से करना चाहिए। कहा कि 18 साल पूरे कर चुके युवाओं को मतदान करना एक त्यौहार जैसा है, उन्हें उस दिन स्वयं के साथ ही आस-पास के युवा, बुजुर्ग सहित अन्य को मतदान केंद्र तक पहुंचाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने युवाओं को सी-विजिल एप की जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत करने के लिए इस एप को डिजायन किया गया है। हर नागरिक एप में साइन-इन करके अपने मोबाइल फोन के माध्यम से निर्धारित समय सीमा के अंदर फोटो, ऑडियो, वीडियो लेकर आदर्श आचार संहिता, व्यय उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकता है। इस दौरान उन्होंने वोटर लिस्ट में नाम जोडने, सुधार करने सहित अन्य की जानकारी छात्र-छात्राओं को दी। उन्होंने प्रोजक्टर के माध्यम से छात्र-छात्राओं को एप संचालन की तकनीकी जानकारी भी दी। युवाओं से अपील की गई कि निष्पक्ष हो कर मतदान करें और चुनाव के दौरान चुनाव को प्रभावित करने वाले तत्वों, रिश्वतखोरी, मुफ्त उपहार, शराब वितरण, अनुमति समय से अधिक देर तक लाउडस्पीकर बजाने जैसी शिकायतें सी-विजिल के जरिए कर सकते हैं।

सफाई अभियान चलाया

पौड़ी। नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट एवं क्लीन हिमालयन कैंपेन के तहत पौड़ी के कंडोलिया टेका मार्ग पर सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर एनयूजे के जिलाध्यक्ष जसपाल नेगी व क्लीन हिमालय कैंपेन के संस्थापक हर्षवर्धन चंदोला ने बताया कि सफाई के दौरान जंगल के क्षेत्र से बड़ी मात्रा में शराब की खाली बोतले व प्लास्टिक कचरा बरामद हुआ। बताया कि कई बोतले जंगल में टूटी हुई मिली। कहा कि टूटी हुई कांच की बोतलों से जंगली जानवरों के जख्मी होने की संभावना रहती है। उन्होंने इस दौरान जंगलों में पिकनिक पार्टी करने वाले लोगों से इस तरह का कचरा जंगलों में ना छोडने की अपील के साथ ही वन विभाग व जिला प्रशासन से असामाजिक तत्वों की इस तरह की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की मांग की गई। इस मौके पर योगिक शोलेश संस्था की संस्थापक रोमा भद्रा, हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पौड़ी ब्लॉक की कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर दीपिका रावत, फील्ड इन्वेस्टिगेटर पायल ठाकुर, नेशनल लिस्ट यूनियन का जर्नलिस्ट संगठन से करण नेगी, मुकेश सिंह आदि मौजूद रहे।

शिकायतों का जल्द निस्तारण करें अफसर

पौड़ी। तहसील दिवस पर आने वाले शिकायतों को अब सीएम हेल्पलाइन में शामिल करते हुए उनका निस्तारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1905 की शिकायतों के निस्तारण के संबंध में आयोजित बैठक में डीएम डा.आशीष चौहान ने अफसरो को यह निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि ऐसे विभाग जिनकी 36 दिन से अधिक समय की अवधि की शिकायतें लंबित हैं उनका तत्काल निस्तारण किया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अपूर्वा पाण्डेय, नगर आयुक्त कोटद्वार वैभव गुप्ता , मुख्य कोषाधिकारी गिरीश चंद्र, जिला विकास अधिकारी मनविन्दर कौर आदि शामिल रहे।

डीएम बोले, प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत दें लाभ

पौड़ी। प्रधानमंत्री जनमन योजना की समीक्षा बैठक में डीएम ने कोटद्वार के एसडीएम, दुगड्डा के खंड विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी, लीड बैंक अधिकारी, मुख्य कृषि अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, पशु चिकित्साधिकारी, युवा कल्याण अधिकारी, नगर आयुक्त कोटद्वार, महाप्रबंधक उद्योग, समाज कल्याण अधिकारी, बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना निदेशक उरेड़ा, वन विभाग आदि अधिकारियों को अपने-अपने विभागीय योजनाओं का भी पीएम जनमन योजना के लाभार्थियों को लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कोटद्वार में उपजिलाधिकारी कोटद्वार की अध्यक्षता में शिकायत निस्तारण शिविर लगाते हुए लाभार्थियों का सही चयन और उनको योजनाओं का लाभ प्रदान करने के लिए जरूरी औपचारिकताओं को पूरा करवाने के निर्देश दिए। डीएम डा.आशीष चौहान ने अफसरो को किसान क्रेडिट कार्ड, बकरी पालन, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम शहरी आवास योजना, आधार कार्ड निर्माण बाधाओं की समाप्ति, मुख्यमंत्री स्वरोजगार व मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना आदि सभी योजनाओं से लाभावित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री द्वारा बीते वर्ष 15 नवंबा 2023 को आदिम जनजाति बाहुल्य ग्राम, स्थान के विकास हेतु प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना का शुभारंभ किया था।

जरूरत से ज्यादा काम करना महिला कर्मचारी को पड़ा भारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 19 फरवरी : अच्छा काम करने वालों की अहमियत क्या होती है, ये तो हर नौकरी करने वाले इंसान को पता ही है और जो ढिंढोरा पीटकर बस काम चलाउ काम करते हैं, उनकी नौकरी पर हमेशा खतरा मंडराता है. अक्सर दफ्तरों में देखा जाता है कि, मन लगाकर ईमानदारी से काम करने वालों की हर जगह इज्जत होती है. यही नहीं उनका प्रमोशन भी बाकी एम्पलाई की तुलना में अच्छा खासा होता है, लेकिन क्या हो जब कंपनी सर्व गुण संपन्न यानि की अच्छा काम होने के बावजूद किसी को नौकरी से निकाल दे तो क्या होगा, यकीनन हैरानी होना लाजिमी है, लेकिन हाल ही में एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर कर दावा किया है कि, उसे उसके बॉस ने नौकरी से निकाल दिया, क्योंकि वो अपने काम में जरूरत से ज्यादा ही अच्छी थी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो शेयर करते हुए महिला ने बताया कि, 'मुझे कल नौकरी से निकाल दिया गया, इसका एक कारण यह है कि मैं बहुत कुशल हूं. कल मेरे बॉस हमारी सुबह की मीटिंग में मुझसे कह रहे थे कि वह हमारे आने वाले इवेंट्स के बारे में बात करने के लिए सेल्स डायरेक्टर के साथ मीटिंग शेड्यूल करने वाले हैं.' महिला ने दावा किया है कि, उसने अप्रैल तक का काम पहले ही खत्म कर दिया. बावजूद इसके उसके साथ ऐसा हुआ.महिला ने बताया कि, उसने सारा डेटा प्रोजेक्ट से संबंधित सॉफ्टवेयर में तय समय से पहले ही डाल दिया था. महिला ने दावा किया है कि, उसने इतनी जल्दी काम खत्म कर के दे दिया, बावजूद इसके खुश होने की जगह बॉस का उसका जल्दी काम करना रास नहीं आया और बॉस ने उसे नौकरी से निकाल दिया. यही नहीं महिला ने ये भी आरोप लगाया कि उसका बॉस ज्यादातर समय एबसेंट रहता था, यही वजह थी कि उसे अपने बॉस का भी काम करना पड़ता था. महिला की इस पोस्ट के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

संपादकीय

ये 'कमल' खिलाते कांग्रेसी

यह लोकसभा चुनाव का मौसम है, लिहाजा प्रत्येक राजनीतिक घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। एक तरफ विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की संभावनाएं समाप्त हो गई हैं, दूसरी तरफ भाजपा का कुनबा विस्तृत होता जा रहा है। उसकी चुनावी चुनौती भी 'अपराजेय' लगती है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस भी बिखर रही है, जिसके नेता पार्टी छोड़ कर भाजपा या अन्य दलों में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस का राजनीतिक और वैचारिक घर टूट रहा है, यह अत्यंत महत्वपूर्ण और चिंतित सरोकार है। सरोकार इसलिए है, क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 12 करोड़ मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में वोट किया था। यह कोई सामान्य जनाधार नहीं है, लिहाजा कांग्रेस का चिंतित विश्लेषण करना आज मौजू है। ताजा खबर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, 9 बार के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कमलनाथ की है। फिलहाल अटकलें हैं कि वह और उनके सांसद-पुत्र नकुल नाथ कांग्रेस का 'हाथ' छोड़ कर भाजपा का साथ देने जा रहे हैं। बिना आग के धुआं नहीं होता ! यह उक्ति फिजूल नहीं है। चूंकि नकुल नाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कांग्रेस का नाम और चुनाव चिह्न हटा दिए हैं। ऐसा कई कांग्रेस विधायकों और पूर्व विधायकों ने भी किया है। सोशल मीडिया पर 'जय श्री राम' और 'परिवारजनों के साथ' लिखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी अपने संबोधनों में अक्सर 'परिवारजनों' कहते रहे हैं, लिहाजा यह भी पुख्ता संकेत हो सकता है। अचानक छिंदवाड़ा से दिल्ली आए कमलनाथ ने इन अटकलों का खंडन तक नहीं किया है। वह 'इस तरफ या उस तरफ' की भाषा बोल रहे हैं। मीडिया को भी आश्वस्त कर रहे हैं कि जैसे भी कोई खबर होगी, सबसे पहले आपके साथ साझा करूंगा।' बहरहाल कमलनाथ ने 50 साल से अधिक समय तक कांग्रेस के साथ रहकर राजनीति की है। यकीनन पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी उन्हें अपना 'तीसरा बेटा' मानती थीं। यदि अब 77 साल की उम्र में वह राजनीतिक पाला बदलते हैं और बेटे का संसदीय करियर सुरक्षित करना चाहते हैं, तो वे दोनों कांग्रेस से भाजपा में आ सकते हैं। यह पालाबदल कांग्रेस के लिए 'आत्मघाती' साबित हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री स्तर के नेता पार्टी छोड़ रहे हैं और कांग्रेस आलाकमान इसे 'आंतरिक लोकतंत्र' करार दे रहा है। कमलनाथ नया उदाहरण हो सकते हैं, लेकिन अशोक चव्हाण, गुलाम नबी आजाद, एसएम कृष्णा, विजय बहुगुणा, दिगंबर कामत, मुकुल संगमा, किरन रेड्डी, एन. वीरेन सिंह, कैप्टन अमरिंदर सिंह, नारायण राणे आदि 13 कांग्रेसी मुख्यमंत्री पार्टी छोड़ कर भाजपा का 'कमल' खिला चुके हैं। बुनियादी सवाल है कि आखिर इतने वरिष्ठ और परंपरागत कांग्रेस नेता पार्टी को अलविदा कहने को विवश क्यों हो रहे हैं? सभी को प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर विभाग के खौफ नहीं हैं। दरअसल यह कांग्रेस के भीतर की हताशा और चुनाव न जीतने की संभावनाएं ही हैं कि कांग्रेसी 'अपना घर' छोड़ रहे हैं। भाजपा में संभावनाएं और राजनीतिक आयाम बेहद व्यापक हैं। जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी है, उन्हें या तो राज्यसभा में भेजा गया है अथवा राज्य सरकारों में मंत्री या केंद्रीय मंत्री बनाया गया है। कांग्रेस कमलनाथ को राज्यसभा में भेजकर मना नहीं सकी। भाजपा ने हिमंता बिस्व सरमा, पेमा खांडू और माणिक साहा तो क्रमशः असम, अरुणाचल और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बना दिए हैं। महाराष्ट्र के पूर्व कांग्रेसी मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने बीते सप्ताह ही कांग्रेस छोड़ी है और भाजपा के राज्यसभा सांसद बन गए हैं, लेकिन कांग्रेस में किसी भी स्तर पर, अपने वरिष्ठ चेहरों को, मनाने की कवायद तक नहीं की गई।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पर्यावरण संस्थान अल्मोड़ा और एसएसजे विश्वविद्यालय के मध्य हुआ करार

अल्मोड़ा। गोविन्द बल्लभ पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, कोसी-कटारमल, अल्मोड़ा और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय अल्मोड़ा के मध्य शोध और विकास कार्यों हेतु 18 फरवरी रविवार को शोध और विकास कार्यों के लिए एक करार हुआ, जिसमें राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा के निदेशक प्रो सुनील नौटियाल और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस एस बिष्ट के द्वारा समझौता पत्र पर हस्ताक्षर हुए। ज्ञात है कि सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रक्लाइमेट चेंज एण्ड सस्टेनेबिलिटी ऑफ नेचुरल रिसोर्सेस इन हिमालयन रीजनश विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरण संस्थान के निदेशक प्रो सुनील नौटियाल ने प्रतिभाग किया। अपने उदबोधन में प्रो नौटियाल ने संस्थान तथा इसकी क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा हिमालयी क्षेत्रों में विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों पर किये जा रहे विकासात्मक कार्यो और हितधारकों द्वारा लिये जा रहे लाभों से सबको अवगत कराया। अपने संबोधन में उन्होंने जलवायु परिवर्तन से जुड़े मुख्य बिंदुओं पर प्रतिभागियों को अवगत करवाया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ आई डी भट्ट, डॉ सतीश आर्य, डॉ के एस कनवाल, डॉ आशीष पांडे, डॉ सुरेश राणा तथा सजीश कुमार आदि उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

अल्मोड़ा। नेहरू युवा केंद्र अल्मोड़ा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ब्लॉक लेवल स्पोर्ट्स प्रतियोगिता आर्य इंटर कॉलेज देघाट के खेल मैदान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में गिरीश चंद्र चतुर्वेदी मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित किया तथा आगे बढने की सीख दी। खेल में 200 मीटर रेस सीनियर बॉयज, 100 मीटर जूनियर बॉयज, ऊंची कूद बॉयस, कबड्डी, वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसने 100 मीटर जूनियर बॉयज में विजेता प्रथम सचिन सिंह, द्वितीय धीरज सिंह, तृतीय विवेक उप्रेती व 200 मीटर में प्रथम करन सिंह, द्वितीय सुमित कातुरा, तृतीय जितेंद्र भंडारी व ऊंची कूद में प्रथम करन, द्वितीय युगल, तृतीय धीरज, वॉलीबॉल में चकोट वॉलीबॉल क्लब तथा कबड्डी में आर्य इंटर कॉलेज देघाट की टीम विजयी रही। कार्यक्रम में वॉलेंटियर संदीप सिंह नयाल, दीक्षा कांडपाल, दिवियांशू चतुर्वेदी तथा निर्णायक की भूमिका में बृजेंद्र मोहन कनवाल व चंदन मनराल रहे।

संक्षप्ति खबरें

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

रुडक़ी। पुलिस के अनुसार इमली खेड़ा मार्ग पर सोलानी नदी पुल के समीप एक युवक संदिग्ध हालत में खड़ा दिखाई दिया। जिसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह पुलिस को देखकर खेतों के रास्ते से भागने लगा। पुलिस ने युवक को पकडकर तलाशी ली तो आरोपी से एक अवैध तमंचा बरामद हुआ। आरोपी ने अपना नाम असलम निवासी सिकरौडा थाना भगवानपुर बताया। इंस्पेक्टर सूर्य भूषण नेगी ने बताया की तमंचे के साथ पकड़े गए युवक को कोर्ट में पेश कर दिया गया है।

तनावमुक्त और त्रुटिरहित बोर्ड परीक्षा दें

रुडक़ी। आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर में सीबीएसई परीक्षा के सिटी कोऑर्डिनेटर ने प्रेस वार्ता कर परीक्षा संबंधित जानकारी दी। रविवार को प्रेस वार्ता में सिटी कोऑर्डिनेटर प्रधानाचार्या अमरदीप सिंह ने बताया कि आज से सीबीएसई बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि लक्सर, भगवानपुर, झबरेड़ा, रुडक़ी नगर, मंगलौर आदि क्षेत्र के लगभग 70 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की परीक्षा होनी हैं। इसके लिए रुडक़ी क्षेत्र में कुल 19 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों पर कक्षा 10 के लगभग 5,500 और कक्षा 12 के 4,400 छात्र परीक्षाएं देंगे।

कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रुडक़ी। एक सप्ताह पूर्व नारसन में हाईवे पर कार की चपेट में आकर हुई दो लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आगे जांच कर रही है। नारसन खुर्द में नेशनल हाईवे स्थित उत्तराखंड शहीद स्मारक के निकट दिल्ली की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने वहां से गुजर रही दो बाइकों को अपनी चपेट में ले लिया था। घटना में सहेंद्र पुत्र जयप्रकाश और मोनू राम पुत्र सेठपाल निवासी ग्राम नगला सलारू कोतवाली मंगलौर की मौके पर ही मौत हो गई थी। साथ ही राहुल उर्फ मनोज पुत्र रामपाल और अमित पुत्र राजपाल निवासी ग्राम ब्रह्मपुर जट गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पेपर मिल परिसर में पडें कच्चे माल में लगी आग

रुडक़ी। नारसन कलां में पुहाना मार्ग पर स्थित पेपर मिल परिसर में रखे कच्चे माल में आग लग गई। आग बेहद तेजी से फैली और माल उसकी चपेट में आ गया। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की कई गाडियां मौके पर बुलानी पड़ी। विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। नुकसान का आकलन और आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। नारसन क्षेत्र में स्थित पेपर मिल में रविवार सुबह करीब तीन बजे परिसर में रखे कच्चे माल में अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद मिल में काम कर रहे कर्मचारियो की नजर इस पर गई तो उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग तेजी से भडक़ने लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। कर्मचारियों ने मिल प्रबंधन को घटना की जानकारी दी। इसके साथ ही अग्निशमन विभाग को भी सूचना दी गई। इसके बाद दमकल की कुछ गाडियां मौके पर पहुंची।

रंजिश में घर में घुसकर की मारपीट

रुडक़ी। घर में घुसकर मारपीट कर हवाई फायरिंग करने के आरोप में पुलिस ने एक महिला सहित चार आरोपियों के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। इस मामले में दूसरे पक्ष की ओर से पहले ही मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है। गांव मोहम्मदपुर जट निवासी इंद्रवीर सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पड़ोस में रहने वाले कुछ लोग उससे और उसके परिवार से रंजिश रखते हैं। गंदे पानी के पाइप को नाली में डालने की बात से नाराज आरोपियों ने 12 फरवरी की शाम उसके साथ अभद्रता शुरू की। बाद में आरोपी लाठी डंडों व अन्य हथियारों से लैस होकर घर में घुसे और मारपीट शुरू कर दी। बताया कि घर में कुछ मेहमान आए हुए थे।

नीलगाय के की टक्कर से पति पत्नी घायल

रुडक़ी। लखनौता मार्ग पर शेरपुर खेलमऊ के पास नीलगाय की टक्कर लगने से बाइक सवार दंपति घायल हो गए। महिला की हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। ग्राम राजूपुर थाना देवबंद निवासी राजवीर अपनी पत्नी सुमन के साथ बाइक से झबरेड़ा आ रहे थे। इसी बीच ग्राम शेरपुर खेलमऊ के पास वह सडक़ पार कर रहे नील गाय के झुंड से टकरा गए। जिससे बाइक सवार दंपति सडक़ पर गिर गए।

शीशम और जमोए के पेड़ काटने पर कार्रवाई की मांग

रुडक़ी। कुछ दिनों पहले खानपुर में मथाना के कब्रिस्तान में खड़े शीशम, जमोए के करीब 50 पेड़ किसी ने काट दिए थे। प्रधान नीरज देवी, उप प्रधान अश्विनी तवंर ने खानपुर पुलिस और वन विभाग को सूचना दी थी। बाद में उनके शिकायती पत्र पर एसडीएम लक्सर ने भी कार्रवाई करने के आदेश संबंधित विभाग को दिए थे। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई है।

हिमालयी लोक संस्कृति अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

अल्मोड़ा। इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का इतिहास विभाग में समापन हुआ। समापन अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में प्रो वी डी एस नेगी, पद्मश्री डॉ ललित पांडे, विशिष्ट अतिथि के रूप में आशुतोष, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आर एस राणा, आयोजक सचिव डॉक्टर गोकुल देवपा आदि ने अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन दिवस पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। सेमिनार के संयोजक प्रोफेसर वी डी एस नेगी ने अतिथियों को सेमिनार के विभिन्न सत्रों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य अतिथि रूप में परिसर निदेशक प्रोफेसर प्रवीण सिंह बिष्ट में सेमिनार की सफलता के लिए सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हिमालय संस्कृति अपने आप में विराट है इसके संरक्षण एवं संवर्धन के प्रयास होने चाहिए। पद्मश्री ललित पांडे ने हिमालयी पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर बात रखी। इससे पूर्व डॉक्टर प्रेम प्रकाश पांडे ने समापन सत्र पर विस्तार से रूपरेखा प्रस्तुत की। साथ ही सेमिनार के आयोजन सचिव डॉ गोकुल देवपा ने आभार जताया। इस अंतराष्ट्रीय सेमिनार में कई सत्र संचालित किए गए जिसमें शोधार्थियों ने शोध पत्र पढ़े। इन तकनीकी सत्रों में प्रोफेसर बी एम पांडे, डॉक्टर अश्वनी अस्थाना, डॉक्टर वाई एस फस्वाण आदि विषय विशेषज्ञ के रूप में रहे तथा प्रकाश उनियाल, शशि उनियाल आदि ने विचार रखे। सेमिनार ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में संचालित हुआ। समापन अवसर पर डॉ आस्था नेगी, डॉ लक्ष्मी वर्मा, डॉ रवि कुमार, डॉ जया भट्ट, डॉ योगेश मनाली, डॉ राखी वाल्मीकि, चेतन तिवारी, भोला रावत, माला, मानसी जोशी, कविता, डॉ दीपा जलाल, देवेंद्र, कमल जोशी, गीता तिवारी, पूरन जोशी आदि के साथ इतिहास विभाग सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बाघों-गुलदारों को संरक्षित सूची से बाहर करे सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हल्द्वानी। वन्यजीवों से इंसानों, फसलों और मवेशियों को सुरक्षा देने समेत विभिन्न मसलों पर कानिया जनसम्मेलन में हिंसक वन्यजीवों बाघ और गुलदार की संख्या जरूरत से ज्यादा होने पर इसे संरक्षित सूची से बाहर करने की मांग की गई। रविवार को ग्रामीणों की संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से राज्य जनसम्मेलन में निर्णय लिया कि 22 फरवरी से वन कानूनों में बदलाव के लिए उत्तराखंड के सांसदों और विधायकों के कार्यालयों पर धरना-प्रदर्शन भी किए जाएंगे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को भी मांग पत्र दिया जाएगा। वहीं दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में प्रस्ताव भी पारित हुआ।

सम्मेलन में बाघ, गुलदार और जंगली सुअर को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1973 की संरक्षित प्रजाति सूची से बाहर करने की मुख्य मांग रही। वक्ताओं ने इसके पक्ष में तर्क रखे कि उत्तराखंड में बाघों की संख्या बढक़र 560 और गुलदार की 3 हजार से ऊपर है। अब ये विलुप्त प्रजाति नहीं है। इसलिए सरकार राज्य से इन्हें दूसरी जगह शिफ्ट करे या दक्षिण अफ्रीका की तर्ज पर बैलेंस हंटिंग कराई जाए। प्रतिनिधियों ने हिंसक जानवरों के आबादी क्षेत्र में आने पर इन्हें पकडने या मारने का अधिकार मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक के बजाय रेंज स्तर के अधिकारी या जनप्रतिनिधि को देने की मांग की। संघर्ष समिति के ललित उप्रेती ने कहा कि जनता पिछले 3 महीने से कॉर्बेट पार्क क्षेत्र में हमलावर बाघ को पकडने या मारे जाने की मांग कर रही है, हमलावर तो नहीं मरा, लेकिन तीन माह में चार मौतें हो गईं। चेताया कि तीन दिन में यदि बाघ नहीं पकड़ा या नहीं मारा गया तो ग्रामीण अनिश्चितकाल के लिए कॉर्बेट पार्क बंद करने को मजबूर हो सकते हैं। सम्मेलन में ऊधमसिंह नगर के काशीपुर से लेकर भीमताल, हल्द्वानी, नैनीताल से भी लोग पहुंचे।

कंडी सडक़ को खोलने की मांग

हिंसक वन्यजीवों से सुरक्षा व मुआवजे की राशि बढ़ाने आदि मांगों पर 10 सूत्रीय मांग पत्र भी पारित किया गया। इसमें कंडी सडक़ को आम यातायात के लिए खोलने, वन ग्राम, गोट, खत्ते और गुर्जरों के डेरों को राजस्व ग्राम का दर्जा देने और वनाधिकार कानून, 2006 के तहत प्रस्तुत दावों को स्वीकार करने की मांग शामिल है।

सम्मेलन को इन्होंने किया संबोधित

हेमा जोशी, भावना तिवारी, मनोज डोबरियाल, अजय जोशी, अंजू देवी, तुलसी बेलवाल, प्रेमराम, महिला एकता मंच की ललिता रावत, प्रगतिशील महिला एकता केन्द्र की बिंदु गुप्ता, भाकपा माले के कैलाश पांडे, उपपा के प्रभात ध्यानी, चिंताराम, अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा ठाकुरद्वारा के धर्मपाल, समाजवादी लोक मंच के मुनीष कुमार, वन पंचायत संघर्ष मोर्चा के तरुण जोशी, इंकलाबी मजदूर केंद्र के रोहित, महेश जोशी, संजय मेहता, तारा बेलवाल, वन गुर्जर नेता मो. सफी, जनवादी लोकमंच के हेम, आइसा के सुमित, रेखा, देवी लाल, आनंद नेगी, पनीराम, सोबन तडियाल, ललित मोहन ने संबोधित किया।

महिलाओं का मार्च स्थगित, 21 को ट्रैक्टर रैली पर फैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

काशीपुर। भूमि बचाओ आंदोलन स्थल पर आंदोलनकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसमें आंदोलन को वृहद् रूप देने के लिए आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ कि 21 फरवरी को निकाले जाने वाले ट्रैक्टर मार्च को सफल बनाने के लिये 20 फरवरी को महिलाओं की थाली और बेलन रैली को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। अब यह रैली 1 मार्च को होगी।

रविवार को तहसील परिसर में धरना स्थल पर आंदोलनकारियों की बैठक में मौजूद लोगों ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए भावी आंदोलनों पर विचार रखे। वहीं बैठक में मौजूद भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा ने कहा कि भूमिधरी अधिकारों को लेकर किए जा रहे आंदोलन को 200 दिन से उपर हो गए हैं, लेकिन सरकार टस से मस नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बातें तो बड़ी-बड़ी करती है और आंदोलनकारियों को बिना वादा पूरे किए हटाना चाहती है, लेकिन सरकार को ये समझना होगा कि तहसील में लंबे समय से डटे ये आंदोलनकारी अपना हक लेकर ही उठेंगे। वहीं जगतार सिंह बाजवा ने बताया कि 20 फरवरी को निकलने वाली महिलाओं की थाली और बेलन रैली अब स्थगित हो गई है, क्योंकि 21 फरवरी को जिला कलेक्ट्रेट में ट्रैक्टर रैली है, ऐसे में इस रैली को सफल बनाने के लिए महिलाओं के मार्च को फिलहाल स्थगित करते हुए इसको 1 मार्च को निकाले जाने पर सहमति बनी है। वहीं आयोजक रजनीत सिंह सोनू ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन द्वारा प्रस्तावित 21 फरवरी के ट्रैक्टर मार्च को लेकर 19 फरवरी को प्रदेश अध्यक्ष करम सिंह पड्डा की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में रूपरेखा तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस रैली में बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान जुटेंगे। बैठक में कर्म सिंह पड्डा, हरमिंदर सिंह बराड़, दर्शन गोयल, निरंजन दास गोयल, करमजीत शॉकर, दलजीत सिंह रंधावा, शेर सिंह, गुरमीत सिंह, अमरनाथ शर्मा, हरदेव सिंह, राजा सिंह, बब्बू सागर, देवेश प्रताप सिंह, बाबू सिंह चैहान, बसंत सिंह, मनजीत सिंह, जसवीर सिंह आदि थे।

भूमि बचाओ आंदोलन के 202 दिन पूरेः 20 गांव की 5838 एकड़ भूमि के भूमिधरी अधिकारों को लेकर तहसील परिसर में चल रहे भूमि बचाओ आंदोलन को रविवार को 202 दिन हो चुके हैं। क्रमिक अनशन पर रणजीत सिंह शॉकर, हरदीप सिंह, सिकंदर सिंह,जसवीर सिंह व सुबेग सिंह को भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक जगतार सिंह बाजवा व रजनीत सिंह सोनू ने माल्यार्पण कर बैठाया।

बाजपुर में दरी चैपाल लगाकर सुनी लोगों की समस्याएं

काशीपुर। गांव चलो अभियान के तहत गांव हरसान वीर पुरी में दरी चैपाल लगाकर विस प्रत्याशी राजेश कुमार ने मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनमानस के बीच में रखा। इस दौरान ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया। रविवार को दरी चैपाल कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता राजेश कुमार ने किया। वहां उन्होंने लोगों के बीच पीएम की जन कल्याणकारी योजनाओं को रखा और उन योजनाओं का लाभ लेने की बात कही। बहुसंख्यक जनजाति समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री जनमन के तहत आवासों का लाभ न मिलने की शिकायत, पेंशन स्वीकृति और विकलांग प्रमाण पत्र कर्मकार कल्याण बोर्ड के कार्ड बनवाने की समस्याओं को रखा। इस दौरान भाजपा नेता राजेश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा में मात्र 15 दिन के अंदर 276 लोगों के जनमन के तहत बिना कांग्रेस भाजपा दलों दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आवास स्वीकृत किए हैं। भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य हर गरीब किसान युवा महिला का कल्याण व उत्थान है, इसीलिए नरेंद्र मोदी ने देश को चार जातियों में बांटा है वह जातियां गरीब, किसान, महिला व युवा हैं।

उन्होंने कहा कि युवा मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने समान नागरिकता कानून लागू किया है। साथ ही नकल विरोधी अध्यादेश लाकर पूरे भारत में उत्तराखंड को एक अलग पहचान दिलाई है।

इस दौरान युवा भाजपा नेता सोनू पासवान, राजेंद्र सैनी, महादेव सिंह, नरपत सिंह, सुखदेव सिंह, कमलू सिंह, लक्ष्मण सिंह, मंगा सिंह, पिंकी देवी, मुनिया देवी, कृष्णा देवी, राजवती, गीत, दुर्गा, दिवाली देवी, गेंदो देवी, लीला देवी, फूलों देवी, राजेंद्र सिंह, जयपाल सिंह, राम सिंह, रितेश शर्मा सहित दर्जनों ग्रामीण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने परमार्थ निकेतन में गंगा आरती की

ऋषिकेश। उत्तराखंड की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी रविवार को परमार्थ निकेतन पहुंचीं। उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती से भेंटकर कर यहां गंगा आरती की। इस मौके पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती ने कहा कि उत्तराखंड जितना अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, उतना ही अपनी संस्कृति के लिए भी विख्यात है। इस दिव्यता और अनुपम सौन्दर्य से युक्त राज्य की अनूठी संस्कृति है। पारंपरिक संस्कार, अनुष्ठान, आस्था, विश्वास, लोकगीत, रीति-रिवाज, भाषा और आपसी सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण वातावरण अद्भुत है। पहाड़ पर मातृशक्ति घर, परिवार, बच्चे-बड़े, खेती और पशुओं को वह पहाड़ की तरह ही बड़ा दिल रखकर सम्भालती है। वास्तव में उनके लिये सोचने, चिंतन करने और उनके जीवन को सरल और सहज बनाने के लिये कार्य करने की नितांत आवश्यकता है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखंड पर्यटन के क्षेत्र में अद्भुत कार्य कर रहा है। जी-20 के बाद तो उत्तराखंड की ख्याति विश्व में दूर-दूर तक फैली है। इस दौरान स्वामी चिदानंद ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को रुद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

कुनाऊं गांव में मिलेंगे स्थानीय उत्पाद

ऋषिकेश। यमकेश्वर ब्लॉक के कुनाऊं में महिलाओं ने स्थानीय उत्पाद बनाने शुरू कर दिए हैं। रविवार को राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने यहां लघु उद्यम केंद्र का शुभारंभ किया। खाद्य एवं प्रसंस्करण विभाग से ट्रेनिंग लेने के बाद महिलाओं ने मशरूम, अचार एवं गुलाब का जूस बनाने का काम शुरू किया है। रविवार को कुनाऊं गांव में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने समूह की सदस्यों को प्रमाणपत्र वितरित किए। उन्हें सरकार द्वारा समूहों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। कंडवाल ने कहा कि पहाड़ की बहनें विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य की महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इससे वह अपनी आर्थिकी को मजबूत कर रही हैं।

आयोग की अध्यक्ष ने सखी महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सहित समूह की विभिन्न महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर समूह की अध्यक्ष दर्शनी नेगी, सचिव कृष्णा राणा, उपाध्यक्ष आशा नेगी, निर्मला कठैत, पंडित महिमानंद भट्टकोटी, डॉ. शशि कंडवाल, जितेन्द्र, रेणु सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

संक्षप्ति खबरें

अग्नवीर से होने नुकसान को लेकर मंथन

बागेश्वर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का दो दिवसीय जिला सम्मेलन का समापन हो गया है। इस दौरान अग्नीवीर भर्ती की खामियों को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि युवाओं के साथ भर्ती के नाम पर छलावा किया जा रहा है। इसके साथ ही इलैक्ट्रोल बांड को लेकर मंथन हुआ। कौसानी में आयोजित सम्मेलन में वक्ताओं ने कहा कि एनएसयूआई हमेशा छात्र हित के लिए काम करता रहा है। यह कार्य आगे भी जारी रहेगा। । वक्ताओं ने कहा कि आज देश में युवा को खुद को ठगा महसूस किया जा रहा है। सरकारी नौकरी के नाम पर उनके साथ धोखा हो रहा है। पहाड़ के युवा सेना में जाने लिए हमेशा तैयार रहते थे। आज अग्नीवीर के नाम पर उनके साथ धोखा किया जा रहा है। इसे लेकर कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर युवाओं को जागरूक करेंगे। इस मौके पर पूर्व जिपं अध्यक्ष हरीश ऐठानी, एनएययूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास नेगी, गोपाल राम, दीपक गडिया, संजू कठायत, विक्रम सिंह रावत, अमित बिष्ट, पंकज कार्की, कमलेश गडिया, गणेश कोरंगा आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय बाल पत्रिका कार्यशाला शुरू

बागेश्वर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में द्वितीय वर्षीय डीएलएड प्रशिक्षुओं का बाल पत्रिका कार्यशाला प्रारंभ हो गई है। प्रथम और तृतीय सेमेस्टर 87 प्रशिक्षु पांच दिन तक पत्रिका निर्माण कार्यशाला में पत्रिका लेखन की जानकारी हासिल करेंगे। मुख्य संदर्भदाता पत्रिका के उदय किरौली ने निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया। कहा कि बच्चों की पुस्तिकाओं को लिखने के लिए बाल मनोविज्ञान का ज्ञान होना आवश्यक है। पत्रिकाओं का उद्देश्य मनोरंजन, ज्ञान और नैतिक मूल्यों का विकास करना होता है। बाल पत्रिकाओं में विद्यमान नवीनता, रोचकता, मनोरंजनात्मक शैली छात्र-छात्राओं की जिज्ञासा को शांत करने में सहायक होती है। कार्यकम समन्वयक रवि कुमार जोशी ने बताया कि छोटे बच्चों से जुड़ा बाल साहित्य बड़ों की आरोपित इच्छाओं, मान्यताओं से मुक्त और बच्चों की नैसर्गिक भावनाओं से युक्त होना चाहिए। जिसमें बच्चों के मनोरंजन, शिक्षा और बच्चों की भावनाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षक इन विधाओं में पारंगत हों और बाल पत्रिकाओं की रचना करने और करवाने में सक्षम हों। इस दौरान प्राचार्य डा. केएस रावत, प्रवक्ता डा. भैरव दत्त पांडे, डा. संदीप कुमार जोशी, डा. दया सागर आदि उपस्थित थे।

अपहरण की सूचना से पुलिस में मचा हडक़ंप

ऋषिकेश। श्यामपुर में सडक़ किनारे रहने वाले बंजारा परिवार का एक 12 साल का बच्चा लापता हो गया। अपहरण की आशंका में बच्चे की मां ने फौरन पुलिस को सूचित किया। अपहरण की सूचना पर पुलिस कर्मियों ने आनन-फानन में बच्चे की तलाश के लिए भाग-दौड़ शुरू की। लेकिन घंटेभर बाद बच्चा खुद ही वापस घर आ गया। बच्चे के वापस आने पर पुलिस कर्मियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के मुताबिक श्यामपुर निवासी पुष्पा देवी ने दोपहर करीब 12 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी कि उनके 12 साल के बच्चे को कोई अपहरण कर ले गया है। कोतवाली तक यह सूचना पहुंची, तो हडक़ंप मच गया है। श्यामपुर चौकी पुलिस को फौरन बच्चे की तलाश में लगाया गया। पुलिस कर्मी बच्चे की तलाश में जुटे थे कि इसी बीच परिजनों ने सूचना दी कि उनका बच्चा खुद ही घर आ गया है। चौकी प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि पुष्पा देवी के घर पर कोई रिश्तेदार आया था। इसी बीच वह बेटे को घर के नजदीक छोड़ कपड़े धोने निकल गई। बच्चा घर नहीं मिला, तो रिश्तेदार पर अपहरण के शक में महिला ने पुलिस से शिकायत की।

डोईवाला में निकली श्रीसाई पालकी यात्रा

ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में 23वीं श्री साईं पालकी यात्रा निकाली गई। यात्रा का जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। रविवार को डोईवाला में श्री शिरडी साईं कृपा धाम से पालकी यात्रा प्रारंभ हुई। मिल रोड से प्रेमनगर होते हुए यात्रा निकली। भारी संख्या में श्रद्धालओं ने पालकी को कंधे पर लेकर नगर भ्रमण किया। इस दौरान 'मेरे सिर पर सदा तेरा हाथ रहे, साईं बाबा तू हमेशा मेरे साथ रहे गीत श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाता रहा। यात्रा में शामिल श्रद्धालु बाबा के जयकारे भी लगाते नजर आए। यात्रा में साईं पालकी पर स्थानीय लोगों ने फूलों की बारिश भी की। श्री शिरडी साईं कृपा धाम में यात्रा के पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। यात्रा में महेश रावत, प्रेम लता रावत, विक्रांत वर्मा, चमन लाल कौशल, ऋतिक अग्रवाल, महेंद्र सिंह आदि शामिल रहे।

32 मकानों में सत्यापन बगैर रहते मिले किरायेदार

ऋषिकेश। रानीपोखरी और ऋषिकेश क्षेत्र में रविवार को पुलिस ने सत्यापन जांच के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 300 लोगों का सत्यापन किया गया। इसके साथ ही सत्यापन के बगैर किरायेदार रखने पर 32 मकान मालिकों पर तीन लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। कोतवाली पुलिस की चार टीमों ने चंद्रभागा, आवास-विकास, शिवाजीनगर, गुमानीवाला, रूषाफार्म और आईडीपीएल में अभियान चलाकर किरायेदारों के सत्यापन की जांच की। इस दौरान पुलिस ने 150 लोगों का सत्यापन किया। किरायेदारों के सत्यापन में लापरवाही पर 18 मकान मालिकों के चालान कर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। थानाध्यक्ष संदीप कुमार की अगुवाई में पुलिस ने रानीपोखरी में सत्यापन अभियान में 14 मकान मालिकों पर किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराने पर कार्रवाई की। एक लाख 40 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए इनका चालान किया। बगैर दस्तावेजों के मिली पांच बाइकों को भी पुलिस ने चेकिंग में सीज कर दिया। एसपी देहात लोकजीत सिंह ने बताया कि सुरक्षा और शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस समय-समय पर अभियान चलाती है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए संदिग्धों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाने के निर्देश सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस को दिए हैं। इसी क्रम में यह कार्रवाई हुई है। उन्होंने कानून व्यवस्था को बनाए रखने में लोगों से सहयोग की अपील भी की है।

वीकेंड पर जाम का झाम

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में वीकेंड पर लोगों को जाम का झाम झेलना पड़ा। पर्यटकों की भीड़ उमडने से शहर में यातायात व्यवस्था पटरी से उतर गई। सुबह से लेकर शाम तक जाम की समस्या बनी रही। शहर में जयराम चौक से चंद्रभागा पुल तक का पांच मिनट का सफर तय करने में लोगों को आधा घंटे तक का समय लगता रहा। रविवार को जयराम चौक, घाट चौक, दून तिराहा और चंद्रभागा पुल पर वाहन दिनभर रेंग-रेंग कर चले। ट्रैफिक व्यवस्था संभालने में तैनात होमगार्ड यातायात को नियंत्रित रखने के लिए मशक्कत करते नजर आए। लेकिन वाहनों का दबाव अत्याधिक होने से जाम की समस्या बनी रही। स्थानीय लोगों को ऋषिकेश से मुनिकीरेती जाने के लिए आंतरिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा। इससे शहर के भीतरी मार्गों पर भी अव्यवस्था बनी रही। शाम के वक्त स्थिति और भी ज्यादा खराब नजर आई। मुख्य मार्ग से मुनिकीरेती जाने वाले वाहन सवारों को दिनभर भारी परेशानी झेलनी पड़ी। सीओ संदीप नेगी ने बताया कि शहर में घाट चौक से आगे मुख्य मार्ग काफी संकरा है। स्थानीय लोगों की आवाजाही से ही यहां यातायात स्लो हो जाता है। पर्यटकों के उमडने से इस मार्ग पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। इससे जाम की समस्या यहां गहरा जाती है। कहा कि पुलिस शहर को जाम से बचाने के लिए श्यामपुर से वाहनों को मुनिकीरेती जाने के लिए डायवर्ट कर रही है। नगर क्षेत्र में यातायात को सुचारु रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।